7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 सुसंस्कृत समाज की रखी थी नींव 5 डी की कार्रवाई से हड़कंप 8 बुमराह का चौका, भारत ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 13 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 23 सितम्बर, 2024

वन नेशन-वन इलेक्शन: 2029 तक ही होगा 2027 में चुनी गई यूपी विधानसभा का कार्यकाल

वन नेशन–वन इलेक्शन

लखनऊ। अगर वन नेशन–वन इलेक्शन की व्यवस्था लागू होती है तो यूपी में 2027 में चुनी गई विधानसभा का कार्यकाल 2029 तक ही होगा। इसके पहले 1991 और 1996 में लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। यूपी में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद जो भी सरकार बनेगी, उसका कार्यकाल मात्र दो साल का ही होगा। 'वन नेशन–वन इलेक्शन' की व्यवस्था लागू होने पर यहां दो साल के भीतर दो बार विधानसभा के चुनाव होंगे। प्रदेश में वर्ष 1991 व 1996 में भी लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना कहते हैं कि रामनाथ कोविंद समिति ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि वर्ष 2024 के बाद देश में जिस भी राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे, उसका कार्यकाल 2029 में लोकसभा के कार्यकाल के साथ ही समाप्त हो जाएगा। इस तरह से देखें तो यूपी में अगला विधानसभा चुनाव 2027 में होगा। उसके बाद वर्ष 2029 में विधानसभा के मध्यावधि चुनाव कराने होंगे।

दो साल में यूपी में होंगे दो विधानसभा चुनाव, 2029 में होगा मध्यावधि मतदान

यह जरूरी नही है कि हर सिफारिश कानून का अंग बने

जानकार बताते हैं कि कोविंद समिति की सिफारिशों के आधार पर जब इस संबंध में कानून बनेगा, तभी यह पता चल सकेगा कि समिति की किन–किन सिफारिशों को अधिनियम में शामिल किया गया। यह जरूरी नहीं है कि हर सिफारिश कानून का अंग बने ही।

सीनीय निकाय के साथ विधानसभा चुनाव कराना होता बेहतर : प्रो. गुप्ता

लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति शास्त्र के प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि विधानसभा का कार्यकाल का विषय संविधान के मूलभूत ढांचे (बेसिक स्ट्रक्चर) के अंतर्गत नहीं आता है। यानी, इस कार्यकाल को कम या ज्यादा करने के लिए संविधान में संशोधन हो सकता है। लोकसभा चुनाव के 100 दिन बाद स्थानीय निकायों के चुनाव का सुझाव दिया गया है, अगर निकाय चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव का प्रावधान किया जाता तो ज्यादा ठीक रहता।

हत्यारे का कबूलनामा

कार से हाथ–पैर तोड़कर शादी तुड़वाना चाहता था... मगर मारी गई, कहा– नहीं है पछतावा

शादी तय होते ही कॉल की तो कभी पीछा... फिर कुचल डाला

खराब आदतों की वजह से दूर हो गई थी अंकिता

गोरखपुर। अंकिता सड़क किनारे बंधे के पास खड़ी होकर ऑटो का इंतजार कर रही थी। तभी सहजनवां की तरफ से तेज रफ्तार कार चलाते हुए प्रिंस आया और अंकिता को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। गीडा के बरहुआ की अंकिता यादव की कार से रौंदकर हत्या करने के आरोपी कुशीनगर के सुकरौली क्षेत्र के गणेशपुर निवासी प्रिंस यादव को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह कार से टक्कर मारकर अंकिता के हाथ–पैर तोड़ना चाहता था, ताकि उसकी शादी न हो सके। कार बेकाबू होने की वजह से उसकी जान चली गई। पुलिस ने प्रिंस को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं देर रात पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने बृहस्पतिवार को भोर में ही अंकिता का अंतिम संस्कार कर दिया। पोस्टमार्टम स्थल से लेकर अंतिम संस्कार तक पुलिस फोर्स तैनात रही। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपी प्रिंस यादव पुत्र विरेंद्र वर्ष 2020 से ही अंकिता के पीछे लगा था। अंकिता यादव की कार से रौंदकर हत्या करने के आरोपी कुशीनगर के सुकरौली क्षेत्र के गणेशपुर निवासी प्रिंस यादव को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। प्रिंस ने पुलिस के सभी सवालों के जवाब दिए। उसने स्वीकार किया कि जानबूझकर अंकिता पर कार चढ़ाई थी। वह उसकी शादी नहीं होने देना चाहता था, लेकिन इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने के बाद भी प्रिंस को कोई पछतावा नहीं है। वह अंकिता की मौत से बिल्कुल भी दुखी नजर नहीं आया। आरोपी प्रिंस ने पूछताछ में बताया कि वह कार से टक्कर मारकर अंकिता के हाथ–पैर तोड़ना चाहता था, ताकि उसकी शादी न हो सके। कार बेकाबू होने की वजह से उसकी जान चली गई। पुलिस ने प्रिंस को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

वहीं देर रात पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने गुरुवार को भोर में ही अंकिता का अंतिम संस्कार कर दिया। पोस्टमार्टम स्थल से लेकर अंतिम संस्कार तक पुलिस फोर्स तैनात रही। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपी प्रिंस यादव पुत्र विरेंद्र वर्ष 2020 से ही अंकिता के पीछे लगा था। वह मोबाइल फोन से बातचीत भी करता था। मई में अंकिता की शादी तय हो गई, इसके बाद वह प्रिंस से बातचीत बंद कर दी थी। फिर भी आरोपी उसके पीछे पड़ा था और शादी का दबाव बना रहा था। अंकिता की मां ने दोनों की शादी का प्रयास भी किया, लेकिन प्रिंस की खराब आदतों की वजह से वे पीछे हट गईं। अंकिता गंगोत्री देवी पीजी कॉलेज में स्नातक तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। वहीं प्रिंस यादव हाटा के एक कॉलेज से बीए तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। वह किसी भी हाल में अंकिता की शादी नहीं होने देना चाहता था। उसने दस दिन पहले कुशीनगर के राजीव प्रजापति से पांच सौ रुपये प्रतिदिन के किराए पर कार ली थी। मंगलवार को प्रिंस अयोध्या से कार चलाते हुए सुबह नौ बजे बरहुआ गांव में आया। गांव में कार इधर–उधर घुमाई। इसी बीच उसे कॉलेज जा रही अंकिता दिखी। इसके बाद वह कार लेकर सहजनवां की तरफ निकल गया। सुबह करीब 10:45 बजे अंकिता सड़क किनारे बंधे के पास खड़ी होकर ऑटो का इंतजार कर रही थी। तभी सहजनवां की तरफ से तेज रफ्तार कार चलाते हुए प्रिंस आया और अंकिता को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई।

आरोपी को भी छात्रा के घरवालों ने भर्ती कराया

इस पूरी घटना में छात्रा के परिजनों की तारीफ हो रही है। अंकिता को टक्कर मारने के बाद कार पलट गई थी, उसमें बैठा प्रिंस भी घायल हो गया था। परिजनों ने उस समय छात्रा के साथ ही प्रिंस को भी घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया था।

प्रिंस को नहीं है पछतावा

प्रिंस ने पुलिस के सभी सवालों के जवाब दिए। उसने स्वीकार किया कि जानबूझकर अंकिता पर कार चढ़ाई थी। वह उसकी शादी नहीं होने देना चाहता था, लेकिन इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने के बाद भी प्रिंस को कोई पछतावा नहीं है। वह अंकिता की मौत से बिल्कुल भी दुखी नजर नहीं आया।

अंकिता की शादी तय होते ही काल तो कभी पीछा..अब कुचल डाला

गोरखपुर के बरहुआ के शिवशंकर यादव की बेटी अंकिता (20) शहर के गंगोत्री कॉलेज में स्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा थी। नवंबर माह में उसका तिलक होना था, जबकि परिवार वाले अगले साल उसकी शादी करने वाले थे। पिता शिवशंकर पत्नी के साथ मिलकर खरीदारी भी कर रहे थे, पर बेटी की मौत से पूरा परिवार स्तब्ध है। अंकिता की मां, दो भाई और उसकी एक बहन का रो–रोकर बुरा हाल है। पिता शिवशंकर ने कहा कि बेटी आगे और पढ़ाई करना चाहती थी। उसने कुछ बनने का सपना देखा था, लेकिन सब खत्म हो गया।

मृतका के बड़े भाई रवि यादव ने बताया कि तीन माह से प्रिंस बहन को परेशान कर रहा था। अंकिता ने अपनी सारी बात मां से बताई थी, लेकिन डरकर उसने मुझसे ये बात नहीं बताई।

प्रिंस की ननिहाल गांव में ही है। इसी बहाने वह बार–बार गांव में आता–जाता था। मां ने उसे एक बार फटकार भी लगाई थी। मां को लगा कि डांटने के बाद उसे समझ आ जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह इसके बाद भी परेशान करता रहा। आशंका जताई जा रही है कि दुर्घटना वाले समय भी आरोपी अंकिता को कॉल कर उससे मोबाइल से बात कर रहा था।

अंकिता ने कर दिया था नंबर ब्लाक

रवि ने बताया कि अंकिता के पास बार–बार प्रिंस फोन करता था। परेशान होकर उसका नंबर बहन ने ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद वह रास्ते में पीछा करके परेशान करने लगा। इसी बीच जब उसे अंकिता की शादी तय होने की बात पता चली तो वह बहन पर दबाव बनाने लगा। वह चाहता था कि अंकिता उससे शादी करे। बहन ने इनकार कर दिया तो उसने इस तरह घटना को अंजाम दिया। घटना में जिस कार से हादसा हुआ है, वो गाड़ी राजीव प्रजापति के नाम पर है। रवि ने कहा कि साजिश के तहत गाड़ी मांगकर बहन की हत्या की गई है। घटना के समय बंधे पर करीब 10 लोग बैठे थे, उन्होंने सबकुछ देखा है। वे गवाही के लिए भी तैयार हैं।

हत्यारे प्रिंस के चेहरे पर नहीं शिकन

कबूलनामा सुनकर सब रह गए दंग

गोरखपुर। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने भोर में ही अंकिता का अंतिम संस्कार कर दिया। पोस्टमार्टम स्थल से लेकर अंतिम संस्कार तक पुलिस फोर्स तैनात रही। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपी प्रिंस यादव पुत्र विरेंद्र वर्ष 2020 से ही अंकिता के पीछे लगा था। अंकिता यादव की कार से रौंदकर हत्या करने के आरोपी कुशीनगर के सुकरौली क्षेत्र के गणेशपुर निवासी प्रिंस यादव को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। प्रिंस ने पुलिस के सभी सवालों के जवाब दिए। उसने स्वीकार किया कि जानबूझकर अंकिता पर कार चढ़ाई थी। वह उसकी शादी नहीं होने देना चाहता था, लेकिन इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने के बाद भी प्रिंस को कोई पछतावा नहीं है। वह अंकिता की मौत से बिल्कुल भी दुखी नजर नहीं आया। आरोपी प्रिंस ने पूछताछ में बताया कि वह कार से टक्कर मारकर अंकिता के हाथ–पैर तोड़ना चाहता था, ताकि उसकी शादी न हो सके। कार बेकाबू होने की वजह से उसकी जान चली गई। पुलिस ने प्रिंस को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

वहीं देर रात पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने गुरुवार को भोर में ही अंकिता का अंतिम संस्कार कर दिया। पोस्टमार्टम स्थल से लेकर अंतिम संस्कार तक पुलिस फोर्स तैनात रही। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपी प्रिंस यादव पुत्र विरेंद्र वर्ष 2020 से ही अंकिता के पीछे लगा था। वह मोबाइल फोन से बातचीत भी करता था। मई में अंकिता की शादी तय हो गई, इसके बाद वह प्रिंस से बातचीत बंद कर दी थी। फिर भी आरोपी उसके पीछे पड़ा था और शादी का दबाव बना रहा था। अंकिता की मां ने दोनों की शादी का प्रयास भी किया, लेकिन प्रिंस की खराब आदतों की वजह से वे पीछे हट गईं। अंकिता गंगोत्री देवी पीजी कॉलेज में स्नातक तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। वहीं प्रिंस यादव हाटा के एक कॉलेज से बीए तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। वह किसी भी हाल में अंकिता की शादी नहीं होने देना चाहता था। उसने दस दिन पहले कुशीनगर के राजीव प्रजापति से पांच सौ रुपये प्रतिदिन के किराए पर कार ली थी। प्रिंस अयोध्या से कार चलाते हुए सुबह नौ बजे बरहुआ गांव में आया। गांव में कार इधर–उधर घुमाई। इसी बीच उसे कॉलेज जा रही अंकिता दिखी। इसके बाद वह कार लेकर सहजनवां की तरफ निकल गया। सुबह करीब 10:45 बजे अंकिता सड़क किनारे बंधे के पास खड़ी होकर ऑटो का इंतजार कर रही थी। तभी सहजनवां की तरफ से तेज रफ्तार कार चलाते हुए प्रिंस आया और अंकिता को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई।

आरोपी को भी छात्रा के घरवालों ने भर्ती कराया

इस पूरी घटना में छात्रा के परिजनों की तारीफ हो रही है। अंकिता को टक्कर मारने के बाद कार पलट गई थी, उसमें बैठा प्रिंस भी घायल हो गया था। परिजनों ने उस समय छात्रा के साथ ही प्रिंस को भी घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया था।

यह था मामला

क्षेत्र के बरहुआ की रहने वाली अंकिता यादव (20) पुत्री शिवशंकर शहर के गंगोत्री कॉलेज में स्नातक की छात्रा थी। तीन दिनों की छुट्टी के बाद कॉलेज जाने के लिए सुबह करीब दस बजे सड़क किनारे बंधे के पास ऑटो का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान सहजनवां से गोरखपुर की ओर आ रही एक तेज रफ्तार कार अंकिता को रौंदते हुए डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। यह देख आसपास के लोग दौड़े और छात्रा के पास पहुंचे लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। उधर, टक्कर के बाद कार के भी परखचे उड़ गए थे, लेकिन चालक को ज्यादा गंभीर चोट नहीं लगी थी। आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया गया था। पुलिस ने पहले उसे जिला अस्पताल पहुंचाया पर बाद में मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया था। उसकी पहचान कुशीनगर जिले के हाटा थाना के गणेशपुर गांव के प्रिंस यादव के रूप में हुई थी।

राष्ट्र, धर्म और लोक कल्याण को समर्पित रहा महंत दिग्विजयनाथ का जीवन

गोरखपुर। साप्ताहिक कार्यक्रम में 20 सितंबर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में महंत दिग्विजयनाथ की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा होगी। पुण्य स्मरण का यह आयोजन गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में पूर्वाह्न साढ़े दस बजे प्रारम्भ होगा जिसमें देशभर के प्रमुख संत उपस्थित रहेंगे। 1935 से 1969 तक नाथपंथ के विश्व विख्यात गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर रहे ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में गोरखनाथ मंदिर में साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह जारी है। धर्म, अध्यात्म और राष्ट्र एवं समाज को लेकर महंत के आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप एक पहर में जीवन का रहस्योद्घाटन करने वाली श्रीमद्भागवत कथा की अमृतवर्षा हो रही है तो एक पहर में समाज और राष्ट्र को प्रभावित करने वाले विषयों पर विषय के विशेषज्ञ विद्वतजन चिंतन–मंथन कर विषय को समयानुकूल बना रहे हैं। साप्ताहिक कार्यक्रम में 20 सितंबर (अश्विन कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि), शुक्रवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में महंत दिग्विजयनाथ की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा होगी। पुण्य स्मरण का यह आयोजन गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में पूर्वाह्न साढ़े दस बजे प्रारम्भ होगा जिसमें देशभर के प्रमुख संत उपस्थित रहेंगे। पुण्यतिथि समारोह में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की स्मृतियों के जीवंत होने के इस अवसर पर यह जानना भी प्रासंगिक है कि उन्हें युगपुरुष क्यों कहा जाता है। महंत जी न केवल गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी रहे बल्कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा के जरिये लोक कल्याण को समर्पित रहा।

तरुणाई से ही वह देश की आजादी की लड़ाई में जोरदार भागीदारी निभाते रहे तो देश के स्वतंत्र होने के बाद सामाजिक एकता और उत्थान के लिए। इसके लिए शैक्षिक जागरण पर उनका सर्वाधिक जोर रहा। महंत दिग्विजयनाथ का जन्म वर्ष 1894 में वैशाख पूर्णिमा के दिन चित्तौड़, मेवाड़ ठिकाना ककरहवां (राजस्थान) में हुआ था। उनके बचपन का नाम नान्हू सिंह था। पांच वर्ष की उम्र में 1899 में इनका आगमन गोरखपुर के नाथपीठ में हुआ। अपनी जन्मभूमि मेवाड़ की माटी की तासीर थी कि बचपन से ही उनमें दृढ़ इच्छाशक्ति और स्वाभिमान से समझौता न करने की प्रवृत्ति कूट कूटकर भरी हुई थी।

उनकी शिक्षा गोरखपुर में ही हुई और उन्हें खेलों से भी गहरा लगाव था। 15 अगस्त 1933 को गोरखनाथ मंदिर में उनकी योग दीक्षा हुई और 15 अगस्त 1935 को वह इस पीठ के पीठाधीश्वर बने। वह अपने जीवन के तरुणकाल से ही आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेते रहे। देश को स्वतंत्र देखने का उनका जुनून था कि उन्होंने 1920 में महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन के समर्थन में स्कूल छोड़ दिया।

सम्पादकीय

दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री आतिशी

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार में अब मुख्यमंत्री पद का दायित्व आतिशी संभालेंगी। 2020 में पहली बार विधायक बनीं आतिशी महज चार सालों में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगी, इसका अनुमान किसी को भी नहीं था, खुद आतिशी ने भी इस पद के बारे में कभी सोचा नहीं होगा। क्योंकि दिल्ली की सत्ता में आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा शुरु से अरविंद केजरीवाल ही रहे हैं, और आगे भी रहेंगे। उनके इस अघोषित दावे को चुनौती देने वाला पार्टी में कोई नहीं है और जिन लोगों को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व और पार्टी पर पकड़ से तकलीफ थी, वे पहले ही अलग हो चुके हैं। बहरहाल, बीते वक्त में दिल्ली की सियासत में काफी उलटफेर हुई। अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में कथित घोटाले के आरोप में मार्च 2024 में ईडी ने गिरफ्तार किया, ईडी की गिरफ्तारी में जमानत मिली तो जून में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। इसी 13 सितंबर को श्री केजरीवाल को फिर जमानत मिली। इसके बाद सभी को अनुमान था कि वे हरियाणा चुनाव के प्रचार में जुटेंगे, लेकिन इससे पहले अपना इस्तीफा देकर उन्होंने सभी को चौंका दिया। अरविंद केजरीवाल के हटने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी कौन संभालेगा, इसे लेकर कई नाम सामने आए। सुनीता केजरीवाल का नाम तो था ही, इसके अलावा कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, आतिशी जैसे तमाम मंत्रियों का नाम भी सामने आ रहा था। जिसमें बाजी आतिशी के हाथ लगी। हालांकि आतिशी ने विधायक दल का नेता चुने के बाद साफ कर दिया है कि वे अरविंद केजरीवाल को फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करेंगी। उन्होंने खुद को बधाई दिए जाने से मना कर दिया कि यह दुख का अवसर है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद छोड़ रहे हैं।

अब आतिशी बधाई स्वीकार करें या न करें, लेकिन आधिकारिक तौर पर अब उनका नाम देश के मुख्यमंत्रियों की सूची में शामिल हो रहा है। आतिशी देश की महिला मुख्यमंत्रियों की अनूठी सूची में अब दर्ज हो रही हैं। खास बात यह है कि दिल्ली को अब तीसरी महिला मुख्यमंत्री मिली है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित के बाद आतिशी दिल्ली की महिला मुख्यमंत्री होंगी। देश के तमाम राज्यों में संभवतः दिल्ली की एक ऐसा राज्य है, जिसने तीन–तीन महिला मुख्यमंत्री दी हैं।

दरअसल आतिशी का महिला विधायक होना, उनके मुख्यमंत्री बनने के अनेक कारणों में से एक है। आम आदमी पार्टी से ही राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार पर मुख्यमंत्री निवास में ही मारपीट और उत्पीड़ित करने का गंभीर आरोप चुनावों के दौरान लगाया था। जिस पर बिभव कुमार गिरफ्तार हुए ही, विरोधियों को आप को महिला विरोधी दल साबित करने का मौका मिल गया। हालांकि आतिशी ने तब भी कहा था कि स्वाति मालीवाल प्रकरण भाजपा की शह पर हुआ है। अब आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर अरविंद केजरीवाल ने आप की महिला विरोधी छवि के दाग को मिटाने की कोशिश की है। इससे पहले 2020 के मंत्रिमंडल गठन में जब श्री केजरीवाल ने आठ महिला विधायकों में एक को भी मंत्री नहीं बनाया था, तब भी इस बात की आलोचना हुई थी। लेकिन अब उन तमाम शिकायतों का जवाब एक साथ दे दिया गया है।

आतिशी का राजनैतिक कद पिछले साल 2023 से एकदम से बढ़ा, जब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में ही गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के शिक्षा मंत्री के तौर पर मनीष सिसोदिया ने जितने नए प्रयोग किए और अनूठे फैसले लिए, उन सबमें आतिशी का भी योगदान रहा है। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली सरकार में कई और महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली और मुख्यमंत्री बनने से पहले वे 14 विभाग संभाल रही थीं।

इसके अलावा जब आम आदमी पार्टी में मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल जैसे बड़े नामों को सलाखों के पीछे जाना पड़ा, तब आतिशी पार्टी की आवाज बनकर जनता के बीच उपस्थित होती रहीं। बेशक सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय का नाम भी इसमें लिया जा सकता है, लेकिन कई सारे मंत्रालयों को संभालना भी आतिशी के मुख्यमंत्री बनने में मददगार साबित हुआ। आतिशी अरविंद केजरीवाल की भी विश्वासपात्र हैं, यह बात तब और पुख्ता हो गई, जब स्वतंत्रता दिवस समारोह में अरविंद केजरीवाल की तरफ से झंडारोहण के लिए आतिशी का नाम भेजा गया था। हालांकि उपराज्यपाल ने इसके लिए कैलाश गहलोत को चुना। मगर संकेत तभी मिल गए थे कि जरूरत पड़ने पर अरविंद केजरीवाल का उत्तराधिकारी आतिशी ही बनेंगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड से उच्च शिक्षा हासिल करने वाली आतिशी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जुड़ी और फिर आम आदमी पार्टी के गठन के वक्त से उसके साथ हैं। पहले वे अपने नाम के आगे मार्लेना लगाती थीं, जो मार्क्स और लेनिन के नाम के शुरुआती अक्षरों से बना है। यह उपनाम उनकी वामपंथी सोच को प्रदर्शित करता था, लेकिन भाजपा को इसमें पारसी, ईसाई उपनाम की झलक शायद दिखी और इसी को आधार बनाकर भी आतिशी पर हमला किया गया। हालांकि आतिशी ने अपना उपनाम इसलिए हटा लिया कि पहचान बताने में वे वक्त बर्बाद नहीं करना चाहती। जाहिर है आतिशी उच्च शिक्षित, प्रगतिशील विचारों की नेता हैं और सुविधाभोगी जीवन जीने की अपेक्षा उन्होंने जनता के बीच उतरकर काम किया है।

अरविंद केजरीवाल के जेल जाने पर अनशन रखने से लेकर पदयात्रा तक कई काम उन्होंने ऐसे किए हैं, जो सीधे जनता से उन्हें जोड़ते हैं। ऐसे में चुनाव में आम आदमी पार्टी को फायदा हो सकता है। अरविंद केजरीवाल आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने के अपने फैसले को जनता के बीच सही ठहरा सकते हैं। बाकी भाजपा तो आदतन आम आदमी पार्टी पर आरोप लगा ही रही है। पहले उसने अरविंद केजरीवाल से इस्तीफा मांगा, जब उन्होंने इस्तीफा दिया तो सवाल उठाए कि अभी इस्तीफा क्यों दिया, और अब आतिशी को डमी मुख्यमंत्री, रबर स्टैंप जैसे शब्दों से नवाजना शुरु हो चुका है। लेकिन जिस भाजपा ने गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा, कर्नाटक जैसे राज्यों में बिना किसी कारण के मुख्यमंत्री बदले हों, उसे अब आप पर ऊंगली उठाकर क्या फायदा मिलेगा, यह भाजपा नेता सोचें।

नाकाम प्रचार तंत्र से उपजी है जुबान काटने की धमकी

चार राज्यों के होने जा रहे चुनाव खासा महत्व रखते हैं। इसके लिये जम्मू–कश्मीर और हरियाणा के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है, महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी इसी साल चुनाव होंगे। सभी में भाजपा पराजय की कगार पर खड़ी दिखलाई दे रही है। जे एंड के में कांग्रेस का नेशनल कांफ्रेंस से गठबन्धन हुआ है तो वहीं हरियाणा में भी वह आगे चल रही है। अमेरिका से राहुल गांधी लौटे ही हैं कि उनके खिलाफ़ भारतीय जनता पार्टी के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है। जिस प्रकार से राहुल भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई मुद्दों को लेकर हमलावर हैं, उससे मोदी के समर्थकों का नाराज़ होना स्वाभाविक है ही, लेकिन जिस तरह की भाषावली का इस्तेमाल भाजपा के विभिन्न नेता राहुल के खिलाफ कर रहे हैं, उसे किसी भी तरह से लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। तथ्यों का जवाब तथ्यों से दिया जा सकता है; और भाजपा के पास तो बेहतर तथा संगठित प्रचार तंत्र है– सरकारी, भाजपा का आईटी सेल तथा विशालकाय ट्रोल आर्मी। फिर भी अगर भाजपा का कोई नेता राहुल की जुबान काटने वाले को 11 लाख रुपये का ईनाम देने की घोषणा करता है तो समझ लेना चाहिये कि यह सारा ही प्रचार तंत्र ध्वस्त हो गया है। उसी बदहवासी और बौखलाहट में राहुल पर हमले तेज़ हो गये हैं।

भाजपा की परेशानियां तभी से शुरू हो गयी थीं जब सितम्बर, 2022 के पहले हफ्ते में राहुल ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की पैदल यात्रा निकाली थी। उसे भाजपा ने न सिर्फ हल्के में लिया था, वरन उसके हुल्लड़ी ग्रुप ने इसका मज़ाक उड़ाया था और कई तरह की बेढंगी बातें भी कही थीं। किसी ने पहले अपनी पार्टी को जोड़ने फिर देश को जोड़ने की सलाह दी थी, तो किसी ने राहुल द्वारा स्वामी विवेकानंद का अपमान करने की बात कही। इन सबसे पार पाते हुए राहुल ने न सिर्फ करीब 4 हजार किलोमीटर नाप दिये बल्कि 14 जनवरी से 16 मार्च, 2023 तक न्याय यात्रा भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। हालांकि पहली यात्रा के बीच ही उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ तगड़ी मोर्चेबन्दी कर ली थी। सड़क मार्ग से होते हुए जब तक वे 17वीं लोकसभा के आखिरी–आखिरी दौर के सत्र में पहुंचे तो जो भाजपा उन्हें हल्के में ले रही थी या उनकी एक खास तरह की छवि भारी–भरकम पैसा फेंककर बना चुकी थी, सतर्क हो गयी। इन यात्राओं में राहुल ने मोदी सरकार के खिलाफ तो विमर्श गढ़ा ही, भाजपा को कई मामलों में पीछे ढकेल दिया। राहुल की इस यात्रा ने कांग्रेस को पुनर्जीवित किया, साथ में विपक्षी गठबन्धन भी बनाया।

भाजपा ने संसद में राहुल और कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से नहीं वरन अनैतिक तरीके से नुकसान पहुंचाना शुरू किया। उनके भाषणों के अंश काटे जाते रहे या उनका माइक बन्द किया जाता रहा। उनके खिलाफ कभी प्रवर्तन निदेशालय के मामले में लम्बी पूछताछ कराई गई तो कभी अवमानना का मामला फिर से जिन्दा किया गया। उन सभी बाधाओं से बाहर निकलते हुए राहुल ने पिछले लोकसभा चुनावों में न केवल अपनी पार्टी की ताकत लोकसभा में दोगुनी करके दिखाई वरन एक मजबूत विपक्ष भी मोदी के सामने खड़ा कर दिया। लोकसभा में इस तरह का हश्र हो सकता है, इसका अनुमान भाजपा को पहले से होने लगा था। इसलिये मोदी समेत उनसे सारे नेताओं की ज़ुबान बेहद ज़हरीली हो चली थी। इसी नफ़रती शब्दावली के बल पर मोदी न केवल विपक्ष को अपमानित करते रहे बल्कि अपने भाषणों से ध्रुवीकरण भी करते चले गये। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हुए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा को मिली बम्पर जीत ने भाजपा के चेहरे पर मुस्कान तो लौटा दी थी और उसे यह आशा हो चली थी कि 2019 से भी उसका बेहतर प्रदर्शन रहेगा। इसी के भरोसे मोदी ने 370 व 400 पार का नारा दिया जो कि अंततः जबरन फुलाया गया गुब्बारा साबित हुआ। भाजपा 303 से 240 पर उतर आई। चुनाव के ऐन पहले इंडिया गठबन्धन को धोखा देने वाले नीतीश कुमार की जनता दल यूनाईटेड के 16 तथा चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी के 12 सदस्यों ने मोदी को तीसरी बार पीएम की कुर्सी तो दिला दी, लेकिन वह सतत डोल रही है।

ऐसे माहौल में चार राज्यों के होने जा रहे चुनाव खासा महत्व रखते हैं। इसके लिये जम्मू–कश्मीर और हरियाणा के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है, महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी इसी साल चुनाव होंगे। सभी में भाजपा पराजय की कगार पर खड़ी दिखलाई दे रही है। जे एंड के में कांग्रेस का नेशनल कांफ्रेंस से गठबन्धन हुआ है तो वहीं हरियाणा में भी वह आगे चल रही है। भाजपा के प्रति लोगों की नाराजगी इस कदर है कि वहां 50 से ज्यादा विधायक, पूर्व विधायक, नेता आदि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ही, वहां भाजपा ने जिस प्रकार से ऑपरेशन लोटस के जरिये उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई और शिवसेना तथा नेशनल कांग्रेस पार्टी को तोड़ा, उसके चुनाव चिन्ह छीन लिये, उसके चलते लोगों में भाजपा के प्रति बेकदर नाराज़गी है। ऐसा समझा जाता है कि विधानसभा चुनाव को लेकर भी यहां भाजपा बड़ी परेशानी में है। वह इसलिये भी क्योंकि शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार धड़े में कई लोग वापसी की मंशा रखते हैं। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के भतीजे अजित तो कह चुके हैं कि उन्होंने परिवार को तोड़कर गलती की जिसका उन्हें दुख है।

ऐसे में जब राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर देश में लोकतंत्र की दुर्दशा से लोगों को अवगत करा रहे हैं तो इससे पूरी भाजपा खिसियाई हुई है। देश में धार्मिक आजादी के खतरे के रूप में राहुल ने जो एक उदाहरण के रूप में यह कहा था कि 'पता नहीं कब तक सिखों को पगड़ी पहनने की आज़ादी रहेगी या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे', उसका बतंगड़ बनाने की कोशिश भाजपा ने की। किसी ने राहुल को आतंकी कह दिया तो किसी ने उन्हें खालिस्तान समर्थक, क्योंकि एक खालिस्तानी नेता ने राहुल के बयान को पृथक देश के समर्थन के रूप में देखा।

ऐसे ही जब अमेरिका में ही एक भाषण के दौरान राहुल ने कहा कि 'जब तक ज़रूरी है तब तक आरक्षण जारी रहेगा। जब उसके समाप्त करने की आवश्यकता पड़ेगी तब उसके बारे में सोचा जायेगा।' उन्होंने साफ किया कि अभी इसका समय नहीं आया है। इसका भी लाभ लेने की कोशिश भाजपा यह कहकर कर रही है कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं।

इस क्रम में वह लोगों को भुलाने की भी कोशिश कर रही है कि वह स्वयं तभी से आरक्षण के खिलाफ रही है जब से संविधान लागू हुआ है और आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। दरअसल भाजपा का संविधान और आरक्षण के प्रति प्रेम तब जाग्रत हुआ जब इसी लोकसभा चुनाव में यह विमर्श इतना आगे बढ़ गया था कि लोगों में यह बात घर कर गयी कि भाजपा 400 सीटों का लक्ष्य इसलिये पाना चाहती है क्योंकि उसे संविधान बदलना है। जाहिर है कि संविधान बदलने का उद्देश्य आरक्षण खत्म करना ही माना गया था। यह बात भी भाजपा के कई नेताओं एवं उम्मीदवारों ने कही थी। कांग्रेस समेत इंडिया गठबन्धन ने इसे प्रमुख मुद्दा बनाया। इसके कारण मोदी को सरकार बनाने के लिये दो बैसाखियों का सहारा लेना पड़ गया। भाजपा के पूरे प्रचार तंत्र की नाकामी और सरकार को घुटनों के बल पर लाने वाले राहुल की जुबान काटने वाले को यदि भाजपा का कोई नेता ईनाम घोषित करता है तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिये।

भाजपा की नीतियों और समझौतों पर संशय

नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। नए जम्मू–कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों पर चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। अपनों की सरकार बनाने के लिए जम्मू के प्रवेश द्वार लखनपुर से कश्मीर के कंगन तक का अवाम उत्साहित है। नई सरकार में सुरक्षा, स्थिरता, समान विकास और समरसता ज्यादातर मतदाताओं का सपना है। सियासी दल इससे दबाव में हैं। सोच को साकार करने और सरोकार पूरा करने के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। सीमाएं समझते हुए संभावनाओं के हिसाब से कई खुले और गुप्त समझौते हो चुके हैं। एक ही विचारधारा के संगठनों में सहमति बन रही है। बावजूद इसके घोषित–अघोषित गठबंधन अपने–अपने हित में बहुमत की सरकार चाहते हैं। फिर भी नई सरकार के स्वरूप, केंद्र से समन्वय, संतुलन, स्थिरता और स्थानीय स्तर की स्वायत्तता को लेकर संशय हैं। संकल्पों, गारंटियों और घोषणाओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधन जहां सावधान करते हुए आने वाले दौर की समस्याओं का इशारा कर रहे हैं, वहीं पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने से समाप्त पूर्ण राज्य के दर्जे की वापसी के केंद्र सरकार के आश्वासन पर क्रियान्वयन के सही समय का सवाल भी सहज और स्वाभाविक है। भाजपा ने संकल्प के रूप में 25 सरोकार बताए हैं। इनमें पांच लाख नौकरियां, विद्यार्थियों को लैपटॉप, यात्रा के लिए तीन हजार रुपये और कोचिंग के लिए 10 हजार रुपये देने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में एक हजार सीटें बढ़ाने का मंतव्य बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान खींचता है। साथ ही मुफ्त पानी और बिजली के अलावा गरीबों को पांच मरला (125 गज) जमीन मुफ्त देने के अलावा किसानों को 10 हजार रुपये देने का वादा भी लुभावना है। वादों की आड़ में बड़े–बड़े दावे भी किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) पर दावा मजबूत किया गया है। यहां भुलाने की कोशिश की गई कि 22 फरवरी, 1994 को पीवी नरसिंह राव की सरकार में संसद में पीओके को भारत का अभिन्न अंग बनाने का सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया था, जिसे 30 साल हो चुके हैं। इसी क्रम में जम्मू से कश्मीर का सफर 14 घंटे से चार घंटे में बताया जा रहा है। तथ्य यह कि सड़क मार्ग से जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में पहले आठ घंटे लगते थे। अब यह यात्रा लगभग पांच घंटे में पूरी हो रही है। इंडिया गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन है। दोनों के क्रमशः 51 और 32 उम्मीदवार मैदान में हैं। नेकां के घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 और 35 की बहाली के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने समेत 12 गारंटियां हैं। राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) निरस्त करने, छह महीन में एक लाख नौकरियां देने और भारत–पाकिस्तान के बीच बातचीत की पहल करने की बात कही गई है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि यदि केंद्र सरकार ने जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जानना जरूरी है कि अनुच्छेद 370 हटाने से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भी राज्य का दर्जा छीनने पर सवाल उठाए थे। शीर्ष अदालत ने ही 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कांग्रेस की गारंटियों में पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना तो है ही, एक लाख खाली सरकारी पद भरने, हर नागरिक का 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अलावा कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की योजना को आगे बढ़ाने का वादा है। 2014 के बाद भाजपा के साथ सरकार बना चुकी पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पानी पर टैक्स खत्म करने, गरीबों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर देने की घोषणा की है।

जाहिर है कि नई सरकारों के लिए अपने वादों को अमली जामा पहनाने के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होगी। केंद्र शासित प्रदेश के संसाधन सीमित हैं। जम्मू–कश्मीर में आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के सरकार के दावे के उलट यहां देनदारियां बढ़ी हैं। संसद द्वारा स्वीकृत 2024–2025 के बजट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियां 2019–2020 में 83,573 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 1,12,797 करोड़ रुपये हो गई हैं। 2020–2021 में देनदारियां 92,953 करोड़ रुपये थीं, जो 2021–2022 में 1,01,462 करोड़ रुपये और 2022–2023 में 1,12,797 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं। हालांकि जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रदेश के कर्ज मुक्त होने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के बीच उचित अनुपात बना हुआ है। दूसरी ओर जानकार मानते हैं कि नई सरकार बनने के बाद होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर अचानक बोझ बढ़ेगा और आमदनी के साधन इसी तरह से नहीं बढ़ाए जा सकेंगे, क्योंकि लोकप्रियता के लिए सरकारें कर्ज लेने से परहेज नहीं करतीं हैं।

नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त सदन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं होने पर दो और सीटों पर महिलाओं को मनोनीत किया जाएगा। मुख्य संशय दिल्ली और पुडुचेरी मॉडल को लेकर है।

दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। मनोनयन नहीं होता। पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव जबकि तीन सदस्य मनोनीत होते हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 239 में है। 239ए के अनुसार विधानमंडल सर्वोच्च है। सदन उपराज्यपाल से ऊपर है। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय व्यवस्था दे चुका है कि एलजी सदन में पारित विधेयकों को रोक सकते हैं। दिल्ली में 239एए के प्रावधान लागू होते हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में सरकार के लिए वित्तीय मामलों, टैक्स लगाने, छूट देने, बदलने बगैरह में उपराज्यपाल की सहमति आवश्यक होती है। जुलाई में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुनर्गठन कानून की धारा 55 में संशोधित नियमों को अधिसूचित किया था। इसमें उप राज्यपाल को विस्तारित शक्तियां देने वाली नई धाराएं जोड़ी गई हैं। इसके बाद राजनीतिक हल्कों में अटकलें लगीं कि पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने में देर लगेगी।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं पुण्यतिथि, सीएम योगी बोले–

सुसंस्कृत समाज की रखी थी नींव

गोरखपुर, संवाददाता

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ को साधना स्थली बनाकर सनातन धर्म के परिपूर्ण स्वरूप के अनुरूप आचरण करने वाले युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज आजीवन भारतीयता के मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ते रहे। उनके बताए मूल्यों और आदर्शों ने भारतीयता के नवनिर्माण, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में सुसंस्कृत समाज की नींव रखी। उनके विचारों और उनके कृतित्वों से हमें आज भी निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत शुक्रवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ के उनके पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। उन्होंने धर्म को केवल उपासना विधि नहीं माना बल्कि भारतीय मनीषा में धर्म के जिसे स्वरूप की बात कही गई है, उसके अनुरूप जीवन जिया। धर्म के दो हेतु होते हैं। एक सांसारिक उत्कर्ष और दूसरा निःश्रेयस। दोनों ही संतों ने धर्म के इन दोनों स्वरूपों को लेकर समाज का मार्गदर्शन किया।

सभ्य और समर्थ समाज के लिए पहली आवश्यकता है शिक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक सभ्य और समर्थ समाज के लिए पहली आवश्यकता शिक्षा की होती है। इसी उद्देश्य को समझते हुए महंत अवेद्यनाथ जी ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। यह काम धनोपार्जन के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि देश के आजाद होने के बाद किसी जगह विश्वविद्यालय बनाने के लिए तत्कालीन राज्य सरकार को 50 लाख रुपये नकद या इतने की संपत्ति की जरूरत होती थी। महंत दिग्विजयनाथ ने गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए, इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के लिए शिक्षा परिषद की संस्था एमपी बालिका डिग्री कॉलेज की संपत्ति दे दी। उस समय की 50 लाख की संपत्ति का आज के समय में मूल्य 500 करोड़ रुपये होगा। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपने समय में योगदान करते हुए महंत दिग्विजयनाथ जी ने 1956 में एमपी पॉलिटेक्निक और चिकित्सा शिक्षा के लिए साठ के दशक में आयुर्वेद कॉलेज की स्थापना कर दी थी। इन प्रकल्पों को आगे बढ़ाने का काम महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने किया।

सनातन धर्म की सुदृढ़ता और छुआछूत मिटाने के लिए नही की सरकारों की परवाह

सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने सनातन धर्म की सुदृढ़ता के लिए अनेक कार्यक्रमों को बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे तेजी से आगे बढ़ाया। हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए उन्होंने छुआछूत मिटाने के अभियान में कभी सरकारों की परवाह नहीं की।

गोरक्षपीठ के संतों का हर काम देश, सनातन और समाज के नाम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूज्य संतों के नेतृत्व में जो भी काम हुए, वह व्यक्तिगत नाम के लिए नहीं बल्कि हर काम देश, सनातन धर्म और समाज के नाम रहा। ऐसा इसलिए कि सनातन धर्म के अनुरूप होने वाले सभी कार्य लोक कल्याण की भावना से परिपूर्ण होते हैं। सनातन की मजबूती किसी के उत्पीड़न के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण के लिए होती है।

आक्रांताओं को सद्भावना से विदा करता है सनातन धर्म

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म चराचर जगत के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यही कारण है कि आकस्मिक आपदाओं, सम–विषम परिस्थितियों में आक्रांताओं का समाना करते हुए अहर्निश जीवंत है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की यह विशेषता और महानता है कि यह आक्रांताओं को भी सद्भावना से विदा करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्रांताओं के सपने पूरा करने के लिए कोई नक्सलवाद, आतंकवाद और अलगाववाद के नाम पर आता है लेकिन भारत में अंततः नाकाम हो जाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी सबने कुछ ऐसी ही स्थिति देखी होगी। कोरोना से जब दुनिया उबर नहीं पा रही तब भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी रहन सहन, खानपान और पूजा समेत जीवन पद्धति ने हमें सभी परिस्थितियों का सामना करने के अनुकूल बनाया है।

रामलला के विराजमान होने से हुई गोरक्षपीठ के गुरुजनों की साधना व संकल्प की सिद्धि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूज्य संतों दिग्विजयनाथ जी एयर अवेद्यनाथ जी की साधना और संकल्पों की सिद्धि है। निस्वार्थ संत जब संकल्प लेते हैं तो उसे पूर्ण होना ही है। संतजन के संकल्पों की पूर्णता से सबका हृदय अंतःकरण के प्रफुल्लित होता है। आज रामलला के विराजमान होने के साथ पूरी अयोध्या जगमगा रही है।

महंत दिग्विजयनाथ जी में थी दिव्य दृष्टि

सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी का जन्म मेवाड़ की वीरभूमि में हुआ था लेकिन उन्होंने गोरखपुर को अपनी कर्मभूमि और साधना स्थली बनाया। उनमें दिव्य दृष्टि थी। 1949 में ही उन्होंने अपनी इस दिव्य दृष्टि से देख लिया था कि अयोध्या में राम मंदिर बनेगा। आज उनके एक–एक संकल्प की पूर्ति हो रही है।

हर क्षेत्र में दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन होगी सच्ची श्रद्धांजलि

सीएम योगी ने कहा कि हम किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हों, अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तो यह ब्रह्मलीन महंतद्वय के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विकसित भारत बनाने के लिए जो पंच प्रण दिए हैं, उनमें नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन सबसे महत्वपूर्ण है।

सामाजिक समरसता और हिंदुत्व का नाम पर मुखर रही है गोरक्षपीठ : रामविलास वेदांती

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वशिष्ठ आश्रम, अयोध्याधाम से आए, पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती ने कहा कि सामाजिक समरसता और हिंदुत्व के नाम पर पूरे देश में किसी मठ का नाम लिया जाता है तो वह गोरखनाथ मठ है। गोरक्षपीठ हिंदुत्व और सामाजिक समरसता के नाम पर हमेशा ही मुखर रही है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन का सफल होना गोरक्षपीठ की अगुवाई के बिना संभव नहीं था। महंत दिग्विजयनाथ द्वारा किए गए नेतृत्व से रामलला का प्रकटीकरण हुआ तो 1984 में जब कांग्रेस सरकार के भय से कोई संत राम मंदिर आंदोलन का नेतृत्व करने को तैयार नहीं था, तब महंत अवेद्यनाथ ने यह कहकर मंदिर आंदोलन की अगुवाई की कि उन्हें गोरखनाथ मंदिर की चिंता नहीं है बल्कि रामलला की चिंता है, राम मंदिर बनना ही चाहिए।

लहदू चाहते हैं योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व

महंत अवेद्यनाथ नेतृत्व स्वीकार नहीं करते तो राम आंदोलन चल नहीं पाता। डॉ. वेदांती ने कहा कि 1973 में यदि महंत दिग्विजयनाथजीवित होते तो बांग्लादेश एक अलग देश नहीं बल्कि भारत का एक राज्य होता। उन्होंने कहा कि समाज में छुआछूत दूर करने के लिए दिग्विजयनाथ जी और अवेद्यनाथ जी ने जितना काम किया, उतना किसी ने भी नही किया। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज किसी भी अन्य प्रांत में साम्प्रदायिक हिंसा होती है तो वहां का हिंदू चिल्लाकर कहता है कि उसे योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व चाहिए। बांग्लादेश देश के हिंदू भी आज अपने संरक्षण के लिए योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व चाहते हैं।

स्वाभिमानपूर्वक धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना सिखाया महंतद्वय ने : काशीपीठाधीश्वर

श्रद्धांजलि सभा में जगद्गुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. राम कमल दास वेदांती ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने स्वाभिमानपूर्वक धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना सिखाया।

उन्होंने कहा कि संत की भूमिका सिर्फ कुटी में चिंतन करने तक सीमित नहीं है और यही काम गोरक्षपीठ के महंतों ने किया। इस अवसर पर गोरखनाथ आश्रम, जूनागढ़, गुजरात के महंत शेरनाथ ने कहा किमहंत दिग्विजयनाथ जी और महंत अवेद्यनाथ ने अपना जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। शिक्षा, स्वास्थ्य समेत समाज के विकास में उनका अभूतपूर्व योगदान है।

राष्ट्र केंद्रित राजनीति के अग्रणी योद्धा थे महंत दिग्विजयनाथ : प्रो. पूनम टंडन

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ का व्यक्तित्व करिश्माई और असाधारण था। वह राष्ट्र केंद्रित राजनीति के अग्रणी योद्धा थे।

प्रो. टंडन ने कहा कि उनके द्वारा जगाई गई शिक्षा की अलख की प्रतिबिंब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के बारे में बताया जाता है कि वर्तमान में इसके तहत 52 संस्थाएं हैं। वास्तव में शिक्षा परिषद की 52 नहीं बल्कि सही मायने में 53 संस्थाएं हैं क्योंकि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय भी इसी परिषद का अंग है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना का सपना तब साकार हुआ जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजयनाथ जी ने इस परिषद की दो संस्थाएं गोरखपुर विश्वविद्यालय के नाम कर दीं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय उनका हमेशा ऋणी रहेगा। कुलपति ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

युग प्रवर्तक थे महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज : प्रो उदय प्रताप

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी युग प्रवर्तक थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप समाज निर्माण का व्रत ले रखा था। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने मैकाले की शिक्षा नीति के कुप्रभाव से समाज और राष्ट्र को बचाने के लिए 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। वह शिक्षा को राष्ट्र के विकास के लिए सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को पुष्पित व पल्लवित किया। इसका परिणाम है कि आज इस परिषद के अंतर्गत 52 संस्थाएं संचालित हैं।

एमपी शिक्षा परिषद की संस्थाओं के प्रमुखों ने भी दी श्रद्धांजलि

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं की तरफ से श्रद्धांजलि के क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कर्नल डॉ. अरविंद कुशवाहा, डॉ. डीएस अजीथा, प्रो. नवीन के., डॉ. डीपी सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, हर्षिता सिंह, डॉ. अरविंद चतुर्वेदी, डॉ. अजय कुमार पांडेय, डॉ. अनिल प्रकाश सिंह, डॉ. सुधीर अग्रवाल, शीतल डी. के., पंकज कुमार, डॉ. व्यासमुनि मिश्र, डॉ. शशिप्रभा सिंह, जगदम्बिका सिंह, हरिकेश त्रिपाठी, आशुतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, पवन सिंह तथा राजेंद्र सिंह ने अपनी–अपनी संस्था की तरफ से महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गुरु वंदना तथा श्रद्धांजलि गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति की। वैदिक मंगलाचरण डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्ष अष्टक पाठ गौरव तिवारी व आदित्य पांडेय, दिग्विजय स्त्रोत पाठ डॉ. अभिषेक पांडेय ने किया जबकि संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह और आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार ने किया।

समारोह के दौरान गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के आचार्य डॉ. गोपीकृष्ण एस. की पुस्तक 'रोग निदान, एवं विकृति विज्ञान'का विमोचन मंचासीन अतिथिगण द्वारा किया गया।

सभा का समापन महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं द्वारा वंदे मातरम गायन से हुआ। इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा अयोध्या के महंत सुरेश दास, हरिद्वार से पधारे योगी चेताईनाथ, फतेहाबाद हरियाणा से आए योगी राजनाथ, उज्जैन मध्य अयोध्या धाम से पधारे योगी कमलचंद्र, कर्नाटक से आए योगी भयंकरनाथ, बक्सर से आए योगी शीलनाथ, महाराष्ट्र से आए योगी मुकेशनाथ, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सीएम बोले– 'फ्लोट' से मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा, बोले, 'थूक लगी रोटियां और हापुड़ वाला जूस तो नहीं मिलेगा'

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। कहा, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के खुलने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। तंज कसते हुए कहा, यहां कम से कम हापुड़ वाला जूस नहीं मिलेगा, थूक लगाकर रोटियां तो नहीं मिलेंगी। यहां जो मिलेगा वो पूरी तरह शुद्ध मिलेगा। जो सुविधा फाइव स्टार होटल में मिलती है अब वो यहां मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर में आज से 15– 20 वर्ष पहले नौका विहार और रामगढ़ ताल नाम से लोगों के मन मे भय होता था। लेकिन ,इन सात वर्षों में यहां का नजारा बदल गया है। साल वर्ष पहले ये क्षेत्र विकास से कोसों दूर था। अब, ये पर्यटन का स्थल हो गया है। सात साल पहले जहां लोग दिन के उजाले में यहां आने में भयभीत होते थे, वो अब रात में इत्मीमान से यहां का लुत्फ उठाते हैं। वो भी अकेले नहीं, परिवार के साथ। पहले, रामगढ़ गंदगी व अपराध का गढ़ बना हुए था। आज पर्यटन का एक केंद्र हो गया है। फर्टिलाइजर बंद था, मेडिकल कालेज बीमार था। दिनभर जाम से जूझते थे। आज शहर को सड़कें, फोर लेन व सिक्स लेन सड़कें मिल चुकी हैं।। आज एयरपोर्ट सबसे व्यस्त एयरपोर्ट है। खाद कारखाना फिर से चालू हो गया है। मेडकिल कालेज बेहतर हुआ। एम्स भी सेवा दे रहा है। रामगढ़ ताल 1700 एकड़ क्षेत्र में विकसित होकर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

पहले क्रूज आया। अब फ्लोटिंग रेस्टोरेंट सुविधा देंगे। इससे पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का उद्घाटन करते हुए कहा कि कम से कम हापुड़ वाला जूस नहीं मिलेगा, थूक लगाकर रोटियां तो नहीं मिलेंगी। यहां जो मिलेगा शुद्ध मिलेगा। जो फाइव स्टार होटल में सुविधा मिलती है, अब यहां मिलेगी। लेक के चारों ओर सड़क बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15–20 साल पहले भय होता था, सात वर्ष पूर्व जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है। सीएम योगी गुरुवार को रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 'फ्लोट' का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात आवंटियों को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया।

बरेली में हाईवे के लिए अधिग्रहण में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा का घपला

भू-अधिग्रहण का खेल

अपनों को खरीदवाईं हाइवे किनारे की जमीनें

80 करोड़ से ज्यादा का घपला

लखनऊ। हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण में मोटे मुआवजे के लिए जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। एक व्यक्ति के नाम कई सड़कों और गांवों में जमीन खरीदी गई है। हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण में अफसर और कर्मचारी मिलीभगत से बड़ा खेल कर रहे हैं। दरअसल, जैसे ही अफसरों को किसी सड़क परियोजना की भनक लग रही है, वे किसी करीबी को कई गांवों में जमीन खरीदवा रहे हैं। इनमें कोई एनएचएआई के अफसर का रिश्तेदार है तो कोई कानूनी सलाहकार के परिवार का सदस्य है। यही नहीं, पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग के कर्मी अनाप–शनाप रिपोर्ट भी लगा रहे हैं।

बरेली में बरेली–पीलीभीत–सितारगंज हाईवे और बरेली रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा का घपला सामने आने पर पीडब्ल्यूडी व एनएचएआई के कई अभियंता व कर्मचारी निलंबित किए जा चुके हैं। एनएचएआई सूत्रों के मुताबिक, अगर कड़ाई से जांच हो तो पलिया–शाहजहांपुर–हरदोई–लखनऊ हाईवे में भी ऐसी गड़बड़ियां मिलेंगी।

मोटे मुआवजे के लिए घोटाला

कर्मवीर (बदला हुआ नाम) के पास पलिया–शाहजहांपुर–हरदोई–लखनऊ हाईवे, बरेली–पीलीभीत–सितारगंज और बरेली रिंग रोड के छह गांवों अमरिया, ककराही आउटर, नगरा, कुशमाह, नारायणपुर बिकरमपुर व उमरेशिया में जमीन थी। उसने एनएचएआई से मुआवजा भी लिया है। सूत्र बताते हैं कि उनका बेटा एनएचएआई के अधिवक्ना पैनल में है। उसे यह पता करना मुश्किल नहीं होता कि किस हाईवे को चौड़ा किया जाना है या कहां हाईवे बनना है।

स्टेट एसआईटी को सौंपी जांच

बरेली–सितारगंज–हाईवे पर कबीर दास (परिवर्तित नाम) ने नौ गांवों सरकरा, शाही, उगनपुर, अमरिया, भुआनी, सरदारनगर, कल्यानपुर, चक्रतीर्थ और माधोपुर में जमीन का मुआवजा लिया। प्रदेश सरकार ने मामले की जांच स्टेट एसआईटी को सौंप दी है।

कैसे पकड़े जाते हैं ऐसे भ्रष्टाचार

राजस्व रिकॉर्ड से ऐसा भ्रष्टाचार पकड़ना मुश्किल नहीं है। इसके लिए सिर्फ यह पता करना होगा कि मुआवजा लेने वाले व्यक्ति ने जमीन कब खरीदी। फिर उसके रिश्तेदारों और करीबियों को विभाग में ढूंढना होगा।

आखिर कौन हैं मेरठ के गुप्ता बंधु ? आइस फैक्टरी से रियल एस्टेट कंपनी बनाने तक, अरबपतियों में होती है गिनती

मेरठ। नोएडा की रियल एस्टेट कंपनी हैसिंडा के साझेदार शारदा एक्सपोर्ट के मालिक आदित्य गुप्ता और आशीष गुप्ता के मेरठ के साकेत स्थित आवास पर छापा मारकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 32.1 करोड़ के हीरे और सोने के आभूषण बरामद किए। ईडी द्वारा इस प्रोजेक्ट से जुड़े पूर्व आईएएस मोहिंदर सिंह, गुप्ता बंधुओं सहित कई लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था। अब ईडी गुप्ता बंधुओं के परिवार व रिश्तेदारों की संपत्ति का ब्योरा जुटा रही है।

पूर्व आईएएस मोहिंदर सिंह की मिलीभगत से हैसिंडा के निदेशकों ने अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले लोगों के साथ 426 करोड़ रुपये का गबन किया। इसमें गुप्ता बंधु, सुरप्रीत सिंह सूरी, विदुर भारद्वाज, निर्मल सिंह भी शामिल हैं। मोहिंदर सिंह, गुप्ता बंधु सहित अन्य ने मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए हीरे, सोने के आभूषण व निजी संपत्तियों में निवेश किया है। ईडी ने खुलासा किया कि आदित्य गुप्ता के घर से 25 करोड़ के हीरे व सोने के आभूषण मिले हैं, जबकि आशीष गुप्ता के घर 7.1 करोड़ रुपये के हीरे बरामद हुए।

शारदा एक्सपोर्ट ग्रुप से जुड़ी शकुंतला हैबिटेट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से अगस्त 2024 में डिफेंस कॉलोनी और रक्षापुरम स्थित एडब्ल्यूएचओ कॉलोनी से सटी प्राइम लोकेशन पर 91 करोड़ की जमीन मेरठ विकास प्राधिकरण से बोली लगाकर खरीदी है। जिसमें ग्रुप हाउसिंग बनाने की तैयारी चल रही है। शकुंतला हैबिटेट्स प्रा.लि. के डायरेक्टर जितेंद्र कुमार गुप्ता, पल्लवी गुप्ता हैं, जोकि गुप्ता बंधुओं के परिवार के सदस्य हैं। ईडी ने इसकी भी पड़ताल शुरू कर दी।

आइस फैक्टरी से रियल एस्टेट तक सफर, अरबपति बने गुप्ता बंधु

शारदा एक्सपोर्ट के मालिक आदित्य गुप्ता और आशीष गुप्ता के पास मेरठ और दूसरे जनपदों में ही अरबों की संपत्ति है। 1983 में आदित्य गुप्ता ने अपने औद्योगिक सफर की शुरुआत की। इसके बाद फर्नीचर, रियल एस्टेट कारोबार से जुड़कर दिल्ली और नोएडा में भी करोड़ों की संपत्ति खरीदी। साकेत निवासी आदित्य गुप्ता और आशीष गुप्ता के पिता जितेंद्र गुप्ता सहित उनके परिजनों की रेलवे रोड पर आइस फैक्टरी और कोल्ड स्टोरेज है। 1983 में शारदा एक्सपोर्ट की स्थापना की गई। आदित्य गुप्ता ने मेरठ कारपेट के कारोबार को संभाला और आशीष ने नोएडा में द फर्नीचर रिपब्लिक के कारोबार को आगे बढ़ाया। 1983 से 2014 के बीच रिठानी में एक और कारपेट फैक्टरी खोली गई। दिल्ली, नोएडा में शोरूम खोले गए। द रग रिपब्लिक की भी स्थापना की गई। नोएडा में एक्सपोर्ट शोरूम खोला गया।

एक ही हीरे की कीमत 5.26 करोड़

मोहिंदर सिंह के आवास से 5.26 करोड़ रुपये का सॉलिटियर हीरा बरामद किया गया है। मंगलवार को दिल्ली, नोएडा, मेरठ, चंडीगढ़ और गोवा के 12 ठिकानों पर बरामद कुल 42.56 करोड़ रुपये की नकदी, हीरे, आभूषण, करोड़ों रुपये कीमत की संपत्तियों के दस्तावेज जब्त करने बताए हैं। ईडी की जांच में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली। बताया गया कि पूर्व आईएएस मोहिंदर सिंह, आदित्य गुप्ता, आशीष गुप्ता, सुरप्रीत सिंह सूरी, विदुर भारद्वाज व निर्मल सिंह से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच शुरू हो गई है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि शारदा एक्सपोर्ट के मालिकों की अरबों रुपये की संपत्ति है। हीरे कब खरीदे हैं, इसको लेकर ईडी गुप्ता बंधुओं से पूछताछ कर सकती है। जांच में सामने आया कि मोहिंदर सिंह ने बेशकीमती हीरे दिल्ली के पीसी ज्वेलर्स से खरीदे थे। पूछताछ में बताया कि पीसी ज्वेलर्स के संचालकों से करीब 30 वर्ष से मित्रता है। उनके पास नकदी ज्यादा होने की वजह से हीरे में निवेश किया था। ईडी को उनके आवास से 35 हीरो के सर्टिफिकेट भी मिले हैं, हालांकि हीरे बरामद नहीं हुए। अधिकारियों को शक है कि कुछ दिन पहले मोहिंदर की पत्नी इन हीरो को साथ लेकर अमेरिका शिफ्ट हो गई हैं।

निवेशकों को नहीं दिए फ्लैट

हैसिंडा ने निवेशकों से रकम लेने के बाद भी उनको फ्लैट नहीं दिए थे। जिसके बाद कई निवेशकों ने मुकदमे दर्ज करा दिए। तत्पश्चात इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईडी को पूरे प्रकरण की जांच करने का आदेश दिया था। ईडी ने कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस दर्ज करने के बाद बीते मंगलवार को छापे मारे थे, जिसमें 42.56 करोड़ रुपये की नकदी व आभूषण और करोड़ों रुपये कीमत की संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए हैं।

इसके अलावा, निवेशकों के पैसे की हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्य भी उनके कार्यालय और आवासीय परिसर से बरामद किए हैं। ईडी इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

खरीदनी थी ये खौफनाक चीज..., इसलिए लूट को दिया अंजाम

रेकी के बाद करगिल शहीद की पत्नी का बनाया निशाना

मेरठ। बाइक सवार बदमाशों ने पहले राजी देवी के कुंडल लूटने की कोशिश की थी। लेकिन राजी देवी पति के शहीद होने से पहले उपहार स्वरूप दिए गए कुंडल बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गई थी। मेरठ में परीक्षितगढ़ क्षेत्र में किठौर रोड पर पेट्रोल पंप संचालिका कारगिल शहीद डबल सिंह की पत्नी राजी देवी और पेट्रोल पंप संचालिका से 30 हजार रुपये की लूट पिस्टल खरीदने के लिए की गई थी। पुलिस ने क्षेत्र में लूटपाट करने वाले दीपक, विपुल और विक्रांत नाम के तीन बदमाशों को गुरुवार रात गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया है। जबकि एक आरोपी अभी फरार है। गिरोह ने 15 अगस्त को रजवाड़ा फार्म हाऊस के पास पदमावती उर्फ गुड्डी से भी कुंडल लूटा था।

गंगानगर का बदमाश विक्रांत चौधरी काम मांगने के बहाने पेट्रोल पंप पर कई बार गया, इसी दौरान आरोपी ने राजी देवी के कैश लेकर आने जाने और सोने के कुंडल पहनने की जानकारी हासिल कर वारदात की साजिश रची। पुलिस ने कई थाना क्षेत्रों के 40 सीसीटीवी कैमरे खंगाले और सर्विलांस टीम की मदद से बदमाशों तक पहुंची। बदमाशों से पुलिस ने एक बाइक, दो तमंचे और 15,400 रुपये बरामद किए हैं। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता में बताया कि परीक्षितगढ़ में किठौर रोड पर राधा स्वामी सत्संग व्यास के सामने कारगिल शहीद डबल सिंह की पत्नी राजी देवी से नौ सितंबर की सुबह बाइक सवार बदमाशों ने 30 हजार की नकदी से भरा पर्स लूट लिया था।

पुलिस की जांच में दीपक निवासी गांव कैली रामपुर थाना परीक्षितगढ़ मेरठ, विपुल निवासी गांव खानपुर थाना बाबरी जनपद शामली, वरूण निवासी किठौर मेरठ और विक्रांत चौधरी निवासी कसेरू बक्सर थाना गंगानगर मेरठ का नाम प्रकाश में आए। वरूण को पुलिस तलाश रही है। पूछताछ के दौरान विक्रांत ने बताया कि सभी आरोपी मिलकर लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं। पिस्टल खरीदने के लिए उसे दीपक को 45 हजार रुपये देने थे। इसके लिए उसने विपुल और दीपक के साथ 15 अगस्त की सुबह महिला से कुंडल लूटा था। कुंडल उन्होंने 6,700 रुपये में बेचा था। काम की तलाश में कई बार वह किठौर रोड पर डबल सिंह पेट्रोल पंप पर गया था, लेकिन उसे काम नहीं मिला।

दो दिन रेकी कर की वारदात

पेट्रोल पंप कर्मियों से बातचीत में पता चला कि प्रतिदिन एक से सवा लाख रुपये की बिक्री होती है। उसने देखा कि पेट्रोल पंप मालकिन बुजुर्ग है और रोजाना बिक्री से प्राप्त रकम सुबह पंप पर लाती है। बैंक खुलने पर रुपये जमा किए जाते हैं। दो दिन रेकी के बाद उन्होंने महिला से पर्स लूटा था। इसमें 30 हजार रुपये थे। विपुल ने बताया कि वह और दीपक साथ में किठौर में पढ़े हैं। वरूण के साथ एक कंपनी में काम किया है। विक्रांत के साथ वह गंगानगर में किराये पर रहता है।

पति की निशानी बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गई थी वीर नारी

बाइक सवार बदमाशों ने पहले राजी देवी के कुंडल लूटने की कोशिश की थी। लेकिन राजी देवी पति के शहीद होने से पहले उपहार स्वरूप दिए गए कुंडल बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गई थी, बाद में बदमाश गर्दन में लटके नोटों से भरा बैग छीनकर ले गए थे।

भाझ-मां के सामने बर्बरता!

बाल पकड़कर गिराया, फिर सिर में मारी गोली

पुलिस को घुमा रहे ये सवाल, करीबियों पर शक

संभल। बुधवार की रात करीब साढ़े दस बजे गोली मारकर किशोरी की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया था। आरोपियों से पूछताछ में ऐसा कोई सुबूत पुलिस को नहीं मिला जिससे यह तय हो पाता कि इन्होंने हत्या की है। इसके बाद पुलिस ने अलग अलग बिंदुओं पर छानबीन की। कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव भमोरी पट्टी निवासी किशोरी की हत्या में नजदीकियों के ही शामिल होने के प्रमाण पुलिस को मिले हैं। इस हत्याकांड में नामजद आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को सुबूत नहीं मिले हैं। पुलिस इस वारदात की कड़ी से कड़ी को जोड़ते हुए कातिलों के नजदीक पहुंच गई है और शनिवार को सनसनीखेज खुलासा कर सकती है।

गोली मारकर किशोरी की हत्या कर दी गई थी। किशोरी के भाई नीरज ने पुलिस को बताया था कि वह अपनी बहन और मां राजवती के साथ गाजियाबाद से गांव लौट रहा था। सौंधन बस अड्डे से वह बाइक से अपनी मां और बहन को लेकर लेकर आ रहा था। रास्ते में गांव भमोरी पट्टी में पहुंचने से पहले कार सवार दो लोगों ने किशोरी के बाल पकड़कर उसको गिरा दिया और सिर में गोली मार दी। आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए कहा कि हत्या करने में रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव सैतुआ निवासी पप्पू और गांव भमोरी पट्टी निवासी रिंकू शामिल हैं। यह दोनों रिश्ते में मामा–भांजे हैं।

पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया था। आरोपियों से पूछताछ में ऐसा कोई सुबूत पुलिस को नहीं मिला जिससे यह तय हो पाता कि इन्होंने हत्या की है। इसके बाद पुलिस ने अलग अलग बिंदुओं पर छानबीन की। पुलिस का मानना है कि किशोरी की हत्या में उसके किसी नजदीकी का ही हाथ है।

खुलेआम बना रहे शराब

पांच लोगों की मौत होने के बाद आदर्श कालोनी में दबिश, तोड़ी गईं भट्ठियां...

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शराब पीने से पांच लोगों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। इसके बाद प्रशासन की टीम ने अवैध तरीके से शराब बनाने वाले अड्डों पर छापा मारा। सरेआम शराब बनते देख सभी हैरान रह गए। मुरादाबाद में पांच लोगों की मौत के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। बृहस्पतिवार शाम को पुलिस व प्रशासनिक और आबकारी विभाग के अधिकारी फोर्स के संग आदर्श कॉलोनी में पहुंच गए। पुलिस फोर्स को देख कॉलोनी में हड़कंप मच गया। कच्ची शराब बनाने में लिप्त इधर–उधर छिप गए।

टीमों ने मौके से भारी मात्रा में शराब बरामद की। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। बृहस्पतिवार शाम पांच बजे एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, एडीएम सिटी समेत अन्य अधिकारी और आबकारी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आदर्श कॉलोनी में पहुंचे।

चारों तरफ से घेराबंदी की गई। इस दौरान कॉलोनी में भगदड़ मच गई। यहां शराब पीने वाले खेतों की ओर भाग निकले। इस दौरान टीमों ने शराब का नष्ट किया और भट्ठियां तोड़ दी गईं। मौके से कुछ लोगों को पकड़ा गया। जिन्हें थाने भेज दिया गया।

आबकारी का दावा, शराब से नहीं फूड प्वाइजनिंग से हुईं मौतें

शराब पीने से पांच लोगों की मौत के मामले को आबकारी विभाग ने खारिज कर दिया। अधिकारियों का दावा है कि इन पांचों की मौतें शराब पीने से नहीं हुईं हैं। सभी ने एक साथ कई दिन पुराना चिकन खाया था। फूड प्वाइजनिंग में सभी ने जान गंवाई है। यहां सवाल यह उठता है तक जब शवों का पोस्टमार्टम नहीं हुआ तो फूड प्वाइजनिंग की पुष्टि कैसे हो गई। दीपू उर्फ संदीप ने अपने ममेरे भाई विक्की के साथ आदर्श कॉलोनी में शराब पी थी। इनके साथ चंद्रपाल, सुंदरपाल और महेश भी मौजूद थे।

पुलिस और आबकारी विभाग की जांच पड़ताल में शराब पीने और चिकन खाने की बातें सामने आई हैं लेकिन आबकारी विभाग का मानना है कि शराब पीने से मौत नहीं हुई है। जिला आबकारी अधिकारी महेंद्रपाल ने बताया कि जांच में पता चला कि पांचों ने पुराना चिकन खाया था। जिससे उनकी मौतें हुई हैं।शराब से मौत होने की सूचना पर पुलिस, आबकारी और प्रशासनिक टीम मौके पर भेजी गई थी। जांच में अवैध शराब की पुष्टि नहीं हुई है। लगता है कि फूड प्वॉइजनिंग से पांचों की मौत हुई है। पूछताछ में पता चला कि पांचों शराब पीने के अभ्यस्त रहे हैं। सभी की अलग–अलग तिथियों में मौत हुई है।

बुआ के घर पत्नी के साथ हुआ घिनौना काम...

पति फिर भी चुप रहा, थाने पहुंची विवाहिता ने बयां किया दर्द

आगरा। विवाहिता ने बताया कि पति अपनी बुआ के घर लेकर गया था। वहां उसकी बुआ के लड़के ने उसके साथ घिनौना काम किया। शिकायत के बाद भी पति चुप रहा। इसके बाद पीड़िता ने अपने पिता की सहायता से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

फिरोजाबाद के थाना मक्खनपुर के एक गांव निवासी पिता ने अपनी विवाहिता पुत्री के साथ दुष्कर्म की वारदात होने का मामला दर्ज कराया है। घटनास्थल जलेसर होने के कारण पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है।

थाना जसराना के एक गांव में एक युवक की जलेसर निवासी बुआ का लड़का आया हुआ था। युवक अपनी पत्नी को लेकर अपनी बुआ के लड़के के साथ उसके घर गया हुआ था। आरोप है कि इस दौरान बुआ के लड़के सुरेंद्र ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने पति और अन्य लोगों को बताया, लेकिन उसकी बातों पर कोई भरोसा नहीं किया। पीड़िता अपने मायके पहुंची और अपने पिता को पूरे मामले की जानकारी दी। पिता ने पहले पीआरवी को सूचना दी और बाद में मक्खनपुर पुलिस को अवगत कराया। लेकिन पुलिस ने थाना जसराना भेज दिया। पीड़ित थाना जसराना पहुंचे और पुलिस को कार्रवाई करने के लिए तहरीर दी। पहले तो पुलिस ने घटनास्थल जलेसर बताकर मामले को टालने का प्रयास किया बाद में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जीरो एफआईआर में मुकदमा दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी अंजिश कुमार सिंह ने कहा घटनास्थल जलेसर होने के जीरो एफआईआर दर्ज की गई है।

डी की कार्रवाई से हड़कंप

नोएडा, मेरठ और चंडीगढ़ तक जुड़ रही कड़ी

मेरठ। मेरठ में शारदा ग्रुप के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई के बाद चंडीगढ़ तक तार हिल गए हैं। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मोहिंदर सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मोहिंदर सिंह पर साल 2007 से 2011 के बीच बसपा सरकार के कार्यकाल में लखनऊ में 1400 करोड़ के घोटालों और नोएडा में निजी बिल्डर को 330 फ्लैट बनवाने में फायदा पहुंचाने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के गबन की परतें खुलने लगी हैं। नोएडा से होते हुए मेरठ और चंडीगढ़ तक कड़ी जुड़ रही हैं। प्रमोटरों को बिना किसी राशि के निवेश के जमीन आवंटित कर दी गई। घर खरीदारों से 636 करोड़ रुपये एकत्र किए गए। इसमें से लगभग 190 करोड़ रुपये का गबन किया। इस प्रोजेक्ट से जुड़े मेरठ के साकेत निवासी शारदा ग्रुप के आदित्य व आशीष गुप्ता से जुड़ी एक कंपनी ने एक महीने पहले मेरठ में 91 करोड़ की जमीन खरीदी है। जहां पर ग्रुप हाउसिंग बनाने की तैयारी है। माना यह जा रहा है कि यह सौदा भी जांच के दायरे में आ सकता है।

नोएडा में हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के लोटस 300 प्रोजेक्ट में 330 फ्लैट बनाने के लिए निवेशकों से 636 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। आरोप है कि कंपनी ने लोगों को फ्लैट देने के बजाय प्रोजेक्ट की सात एकड़ भूमि अन्य बिल्डर को विक्रय कर दी थी। इसके बाद निवेशकों ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा में शारदा ग्रुप के खिलाफ केस कराए थे।

मामला कोर्ट पहुंचा जहां से ईडी को जांच के आदेश हुए। शारदा ग्रुप के मालिकों के मेरठ साकेत स्थित बंगला–192ए पर मंगलवार को ईडी ने इसी कड़ी में कार्रवाई की थी। रिठानी में उनके दफ्तर और गगोल रोड की फैक्टरी में भी जांच की। जिसमें पांच करोड़ रुपये के हीरे भी मिले। बताया गया है कि मेरठ के पूर्व कमिश्नर मोहिंदर सिंह की भूमिका जांच चल रही है, जोकि नोएडा के चेयरमैन और सीईओ भी रह चुके है। मेरठ में कमिश्नर रहने के दौरान गुप्ता बंधु से गठजोड़ होना बताया गया।

बड़े ग्रुप हाउलसग से भी जुड़े हैं तार

ईडी ने गुप्ता बंधु का रिकॉर्ड खंगाला, जिसमें पिछले महीने 91 करोड़ रुपये में मेरठ में जमीन खरीदने की बात सामने आई है। जिस कंपनी ने जमीन खरीदी है वह इसी परिवार से जुड़ी बताई जा रही है। जमीन पर ग्रुप हाउसिंग को विकसित करने की तैयारी है। शहर की विभिन्न सुविधाओं से युक्त कॉलोनी बसाने का भी दावा किया जा रहा था। इसके अलावा दिल्ली–देहरादून हाईवे पर कई सौ बीघा जमीन खरीद का भी एक मामला सामने आया है।

बसपा सरकार में मोलहदर लसह की बोलती थी तूती

मोहिंदर की बसपा सरकार में तूती बोलती थी। वर्ष 2007 से लेकर 2012 तक उन्होंने नोएडा में सीईओ, चेयरमैन और चीफ सीईओ के पद पर कई फैसले लिए। किसी भी फैसले पर शासन की ओर से कोई आपत्ति नहीं होती थी। यही वजह है कि बिल्डरों से 10 प्रतिशत राशि लेकर रेवड़ी की तरह जमीन बांटी गई, जो अब करीब 28 हजार करोड़ के बकाये तक पहुंच चुकी है। पुराना घाव अब तक नहीं भरा है। यही वजह है कि नोएडा में उनकी तैनाती के कई मामलों में जांच अभी भी चल रही है।

वहीं, आम्रपाली समूह का साथ देने पर मोहिंदर सिंह पर सवाल उठे थे। इस मामले में उन्हें एजेंसियों के जांच के नोटिस भी भेजे गए थे। इस मामले में कई अन्य अधिकारी भी रडार पर रहे।

इसमें बताया गया था कि आम्रपाली को नियमों से इतर जमीन दी गई। वहीं, ट्विन टावर मामले में खरीद योग्य एफएआर दिलाने के मामले में भी सवाल उठे। 26 आरोपी अधिकारियों की लिस्ट में मोहिंदर सिंह का नाम है।

84 करोड़ का एमओयू, खर्च हो गए 1400 करोड़

नोएडा में दलित प्रेरणा स्थल के निर्माण के दौरान लोकल फंड ऑडिट की रिपोर्ट में सवाल उठाए गए थे। उस समय नोएडा प्राधिकरण में मोहिंदर थे। रिपोर्ट में बताया गया था कि यूपी निर्माण निगम के साथ प्राधिकरण का 84 करोड़ का एमओयू कराया गया था। इसी फंड से दलित प्रेरणा स्थल का निर्माण होना था, लेकिन इसके निर्माण में जमकर पैसे खर्च किए गए। आलम यह रहा कि इसे बनाने में करीब 1000 से 1400 करोड़ रुपये तक खर्च हुए। यह नियम के इतर किए गए। इसकी जांच अभी भी चल रही है। यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा था।

कोर्ट रूम में पहुंचने से पहले दो बार गिरे सपा विधायक जाहिद बेग... कपड़े फटे, चश्मा और चप्पल भी टूट गई

वाराणसी। विधायक और उनकी पत्नी की तलाश चल ही रही थी कि बृहस्पतिवार को अदालत में सरेंडर करने की सूचना मिली। पुलिस ने विधायक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे चकमा देने में कामयाब हो गए। सपा विधायक जाहिद जमाल बेग को सरेंडर करने के लिए कोर्ट रूम तक पहुंचने में जद्दोजहद करनी पड़ी। पुलिस से बचने के लिए विधायक दौड़े और कोर्ट रूम तक पहुंचने में दो बार लड़खड़ा कर गिर पड़े। आपाधापी और धक्का–मुक्की में विधायक के कपड़े भी फट गए। कोर्ट रूम से निकलने के बाद विधायक ने अपने ऊपर दर्ज मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया। न्यायालय परिसर के बाहर बृहस्पतिवार की सुबह 10 बजे से ही सपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा होने लगा था। सपा की तरफ से सूचना दी गई थी कि विधायक पर दर्ज मुकदमे और उनके बेटे की गिरफ्तारी को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा। सुबह 10.30 से 11 बजे के बीच हलचल बढ़ने लगी। इसी बीच सूचना मिली कि नाबालिग नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने सहित दो मुकदमों में नामजद किए गए सपा विधायक जाहिद बेग सुबह 11 बजे सीजेएम कोर्ट में सरेंडर करेंगे। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की सक्रियता और बढ़ गई। दोपहर 12.05 बजे एक गाड़ी न्यायालय के गेट नंबर–दो के पास आकर रुकी। गाड़ी में प्रयागराज के शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी संदीप यादव अपने वकीलों के साथ बाहर आए।

वह सपा विधायक जाहिद बेग को लेकर तेजी से न्यायालय परिसर की ओर बढ़े। पुलिस कर्मियों ने गेट पर ही विधायक को पकड़ने का प्रयास किया। विधायक और पुलिसकर्मियों के साथ कहासुनी और धक्कामुक्की हुई। यह देख कर अधिवक्ता सामने आ गए और पुलिसकर्मियों से उनकी बहस होने लगी। इसका फायदा उठाकर विधायक तेजी से सीजेएम कोर्ट की ओर बढ़ गए। फिर, दौड़ते हुए कोर्ट रूम में घुस गए। अधिवक्ताओं के चेंबर से न्यायालय परिसर में दाखिल होने के दौरान भी पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया।

धक्का–मुक्की और झड़प में विधायक का चश्मा और चप्पल टूट गई। कोर्ट रूम गेट के पास कुछ पुलिसकर्मी उन्हें घेरने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन सपा कार्यकर्ता बीच में आ गए। पुलिसकर्मी जब तक विधायक को पकड़ते, तब तक वे कोर्ट रूम में दाखिल हो गए थे। करीब 45 मिनट तक वह कोर्ट के अंदर रहे। विधायक कोर्ट रूम से बाहर आ आए तो उन्हें अभिरक्षा में जिला अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद विधायक को जिला जेल में दाखिल कर दिया गया। विधायक जाहिद बेग के अधिवक्ता तेज बहादुर यादव ने पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सुबह ही एएसपी को फोन कर बताया था कि विधायक बृहस्पतिवार की सुबह 11 बजे कोर्ट में सरेंडर करेंगे। इसके बाद भी पुलिस का रवैया खराब रहा। इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सपा विधायक को घसीटने का प्रयास किया गया। वकीलों से भी अभद्रता हुई है। पुलिस के इस बर्ताव को लेकर बार एसोसिएशन और मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखेंगे। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। विधायक को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है।

नोकझोंक का फायदा उठाकर कोर्ट पहुंच गए बेग

भदोही से सपा विधायक जाहिद जमाल बेग के बेटे जईम बेग को सह अभियुक्त बनाया गया। पुलिस ने विधायक के बेटे को बुधवार को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। विधायक और उनकी पत्नी की तलाश चल ही रही थी कि बृहस्पतिवार को अदालत में सरेंडर करने की सूचना मिली। पुलिस ने विधायक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे चकमा देने में कामयाब हो गए। विधायक दोपहर 12.05 बजे सरेंडर करने न्यायालय पहुंचे थे। गेट नंबर दो से अंदर घुसने ही वाले थे कि पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस के साथ उनकी धक्का–मुक्की भी हुई। इस बीच अधिवक्ता बीच में आ गए और पुलिस से नोकझोंक होने लगी। इसी का फायदा उठाकर विधायक कोर्ट रूम में पहुंच गए।

मां के सामने दुकानदार ने खुद को गोली से उड़ाया

नशे की गोलियों का करता था सेवन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में एक दुकानदार ने खुद को गोली मार ली। वह नशे की गोलियों का आदी था। गोलियां खत्म हो जाने से वो आपे से बाहर हो गया था। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में बृहस्पतिवार रात 12 बजे दुकानदार ने तमंचे से मां के सामने खुद के सीने में गोली मार ली। अस्पताल में दुकानदार की मौत हो गई। घटनास्थल की जांच पड़ताल कर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लखीमपुर खीरी के रहने वाले राघवेंद्र सिंह उर्फ मोनू (28) गोमती नगर विस्तार के गीतापुरी में परिवार के साथ रहते थे। वह दुकान चलाने के साथ ही निजी कंपनी में काम भी करते थे। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन से उनकी दुकान बंद चल रही थी। वह आए दिन नशे की गोलियों का सेवन करते थे। जब गोलियां खत्म हो जाती थीं। तो वह आपा खो देते थे।

नशे की गोलियां खत्म हो गई थीं। इससे वह आपे में नहीं रहे और घर में रखे तमंचा लेकर निकलने लगे। परिजनों के काफी रोकने पर वह मान गए। मगर कुछ देर बाद उन्होंने मां के सामने तमंचा सीने से सटाकर खुद को गोली मार ली। घटना से हड़कंप मच गया।

आनन फानन खून से लथपथ राघवेंद्र को परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी के मुताबिक राघवेंद्र नशे की गोली खाने के आदी थे। परिजनों ने किसी तरह की कोई तहरीर नहीं दी है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सभी मकान बिकाऊ है

शामली में लोगों ने आखिर क्यों दी सामूहिक पलायन की चेतावनी? दो समुदाय से जुड़ा है मामला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शामली में निर्माण कार्य रुकवाने पर बाल्मिकी समाज के लोगों ने मकानों पर लिखा–सामूहिक पलायन, सारे मकान बिकाऊ हैं। बाल्मिकी समाज के लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए पलायन की चेतावनी दे दी है।शामली में बाल्मिकी समाज के कुछ लोगों ने सामूहिक पलायन की चेतावनी दे डाली। यहां चौसाना थानाक्षेत्र में ग्राम समाज की भूमि पर निर्माण कार्य रुकवाने और जमीन पर दूसरे संप्रदाय के लोगों द्वारा कब्जे के प्रयास का विरोध करते हुए पलायन करने का निर्णय ले लिया।

चौसाना गांव के बाल्मिकी समाज के लोगों ने घरों पर सामूहिक पलायन, सारे मकान बिकाऊ हैं लिख दिया है। जिससे प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई है। सभी ने कहा कि जल्द ही वह पलायन कर यहां से चले जाएंगे। दरअसल, चौसाना में दो संप्रदाय के लोगों क बीच ग्राम समाज की भूमि पर निर्माण को लेकर तनातनी चल रही है। एक पक्ष निर्माण वाली भूमि पर कुआं होने का दावा करता है जबकि दूसरा पक्ष यानी बाल्मिकी समाज के लोग प्रथम पक्ष पर निर्माण रोकने व भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगा रहे हैं। मामले के विरोध में बाल्मिकी समाज ने दूसरे सम्प्रदाय के लोगों पर धमकी देने का आरोप लगाया था। साथ ही गांव से पलायन की चेतावनी दी थी। अब समाज के लोगों ने मकानों पर 'सामूहिक पलायन, सारे मकान बिकाऊ हैं' लिख दिया है। कहा कि दूसरे संप्रदाय के लोगों के कारण वह जल्द ही पलायन कर लेंगे। चेतावनी देने वालों में कर्मवीर, सन्नी कुमार, अनुज कुमार, रिंकू शामिल रहे। एडीएम संतोष कुमार का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है। टीम को गांव में भेजा जा रहा है।

भाजयुमो नगर अध्यक्ष चरखारी का कत्ल... अंगुलियों पर मिले ऐसे निशान

कानपुर। उत्तर प्रदेश में भाजपा नेता और व्यापारी की हत्या का मामला सामने आया है। चरखारी में एक सप्ताह के अंदर दो व्यापारियों की हत्या से व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रख 48 घंटे के अंदर खुलासे की मांग की। महोबा के चरखारी–महोबा मार्ग पर सूपा मोड़ के पास कुछ बदमाशों ने बाइक सवार भाजयुमो नगर अध्यक्ष पर हमला कर लूटपाट की। घायल की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। सिर पर गहरे घाव के निशान मिले। आरोपी चार अंगूठी, चेन, दो मोबाइल और नकदी लूट लग गए। तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। कस्बा चरखारी के मोहल्ला घुसयाना निवासी सचिन पाठक (26) भाजपा युवा मोर्चा में नगर अध्यक्ष व व्यापार मंडल में युवा महामंत्री थे। सोमवार को वह अपने दोस्त मोहित के साथ जनपद झांसी के मऊरानीपुर में चल रहा जलविहार मेला देखने गए थे। वापस लौटने पर उसने साथी मोहित को महोबा में छोड़ा। रात करीब 11 बजे वह चरखारी लौट रहा था। तभी घटना हो गई। यूपी 112 पुलिस को किसी से सूचना मिली कि एक युवक सूपा–चरखारी मोड़ के पास सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा है।

सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मी उसे जिला अस्पताल लाए। जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों को इसकी सूचना दी गई। मृतक के भाई अनूप पाठक ने आरोप लगाया कि जिस हालत में सचिन मिला, उससे लूटपाट के बाद हत्या किया जाना स्पष्ट हो रहा है।

चार अंगुलियों से सोने की अंगूठी, चेन, 11 हजार रुपये व दो मोबाइल भी गायब हैं। सिर पर गहरे घाव और अंगुलियों से अंगूठी निकालने पर खरोंच के निशान हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी मंत्री राकेश कुमार राठौर, सदर विधायक राकेश गोस्वामी, चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत, डीएम मृदुल चौधरी, एसपी पलाश बंसल और अपर एसपी वंदना सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। नगर अध्यक्ष की हत्या व लूटपाट की खबर सुनकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की पोस्टमार्टम हाउस में भीड़ जुटी रही। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है कि पीआरवी को दुर्घटना की सूचना मिली थी। घायल को अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

घटना के बाद बंद रहा बाजार, व्यापारियों में आक्रोश

महोबा के कस्बा चरखारी में एक सप्ताह के अंदर दो व्यापारियों की हत्या से व्यापारियों में आक्रोश है। भाजपा के नगर अध्यक्ष और व्यापारी सचिन पाठक की लूटपाट के बाद हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को पूरा बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रख 48 घंटे के अंदर खुलासे की मांग की। एक सप्ताह पहले कस्बा चरखारी में इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी अनिल चौरसिया की गोली मारकर हत्या की गई थी। इस घटना में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद मामला शासन स्तर पर पहुंचा था। सीसीटीवी फुटेज में छह आरोपियों के दिखने पर व्यापारी सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

राहुल गांधी पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी

लखनऊ में कांग्रेस का हल्ला बोल

सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, कानून–व्यवस्था पर भी घेरा

लखनऊ। भाजपा नेताओं की कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं की अभद्र टिप्पणियों को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

लखनऊ में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा। इस मौके पर अजय राय ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। बता दें कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित भाजपा के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की है।

अजय राय बोले–अपराधी भाजपा के विधायक और सदस्य बन गए

अविनाश पांडेय ने कहा– योगी से नही संभल रहा यूपी

केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी नंबर वन बताया था। जिसके बाद से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता नाराज हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह को बर्खास्त करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी नेता लोकतंत्र की मर्यादा भूल गए हैं।

सांसद राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह ने अभद्र टिप्पणी की जो गलत है। वह देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं और विपक्षी नेताओं के खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अखिलेश यादव से मिली अयोध्या की गैंगरेप पीड़िता

बोली– एफआईआर वापस लेने का बनाया जा रहा दबाव

लखनऊ। अयोध्या गैंगरेप की पीड़िता ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और उनसे न्याय की मांग की। पीड़िता की अखिलेश से मुलाकात सपा नेता पवन पांडेय ने करवाई थी। अयोध्या की गैंगरेप पीड़िता ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। पीड़िता ने न्याय की मांग की। पीड़िता ने अखिलेश यादव को बताया कि आरोपी भाजपा के कार्यकर्ता हैं और वो एफआईआर वापस लेने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता की अखिलेश से मुलाकात सपा नेता पवन पांडेय ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय पर करवाई। हालांकि, सपा ने आधिकारिक रूप से अभी इस पर कुछ भी नहीं कहा है।

जिले के रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा से तीन युवकों ने पखवारे भर तक अलग–अलग होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। उसके पांच अन्य दोस्तों ने भी उससे छेड़छाड़ की। छात्रा की तहरीर पर कैंट थाने की पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया।

रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह एक महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और राम जन्मभूमि मंदिर में सफाई कर्मी है। वह सहादतगंज निवासी वंश चौधरी नामक युवक को पिछले चार वर्ष से जानती है। 16 अगस्त को वंश चौधरी उसके दोस्त विनय और शारिक घूमाने के बहाने उसे अंगूरी बाग स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गए। वहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद वे लोग उसे बनवीरपुर स्थित एक गैराज में लेकर गए, जहां वंश चौधरी ने फिर से दुष्कर्म किया और उसके दोस्त शिवा ने नशे की हालत में उसके साथ छेड़छाड़ की।

इस बीच वह आरोपियों के चंगुल में रही और 18 अगस्त की सुबह 11:00 बजे विनय ने उसे देवकाली बाईपास के पास छोड़ दिया। 22 व 23 अगस्त की रात वंश चौधरी व विनय ने उसी गैराज में उससे दुष्कर्म किया। 25 अगस्त की सुबह चार बजे उदित, वंश चौधरी, सत्यम और दो अज्ञात लोग उसे रामजन्मभूमि ले जाने के बहाने आए और रास्ते में सभी ने छेड़छाड़ की। इस वजह से गाड़ी भी डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गई तो सभी ने उसे नाका के पास छोड़ दिया।

घर में घुसा भेड़िया: हमलाकर पिता को किया जख्मी, बेटे का हाथ चबाया

बरेली। बहराइच के बाद अब बरेली जिले में भेड़िये की दहशत फैल गई है। बाबगंज तहसील क्षेत्र के गांव भानपुर में सोमवार रात पिता–पुत्र पर हमला हुआ, जिससे दोनों जख्मी हो गए। ग्रामीणों का दावा है कि भेड़िये ने हमला किया है। वहीं वन विभाग ने सियार बताकर एडवाइजरी जारी की है। बरेली जिले में वन्यजीवों के हमले का सिलसिला जारी है। सोमवार रात नवाबगंज तहसील क्षेत्र के गांव भानपुर में भेड़िये ने हमला कर किसान को जख्मी कर दिया। पिता को बचाने आए बेटे का हाथ चबा गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम रातभर कॉम्बिंग करती रही, लेकिन भेड़िये का कोई पता नहीं चला। खेतों में पगचिन्हों को देखकर वन विभाग ने सियार होने की बात कही है। एडवाइजरी भी जारी की गई है। पुष्पेंद्र ने बताया कि सोमवार रात 10 बजे उनके पिता प्रेम सिंह (55) घर के बाहर से लघुशंका करके घर में घुसने जा रहे थे। तभी भेड़िये ने उन पर हमला कर दिया। वह बचने के लिए घर के अंदर भागे तो भेड़िया भी घर में घुस आया और उन्हें आंगन में गिरा दिया। चेहरे और शरीर के कई अन्य हिस्सों पर दांतों से काटकर उन्हें घायल कर दिया।

भेड़िये का नहल चला पता

पुष्पेंद्र, पिता को बचाने पहुंचे तो भेड़िया उनका हाथ भी चबा गया। शोर सुनकर मोहल्ले के कई लोग लाठी–डंडे लेकर आ गए। उन्होंने बमुश्किल भेड़िये को खदेड़ा। तब जाकर प्रेम सिंह की जान बच सकी। परिजन किसान को एंबुलेंस से नवाबगंज ले गए। वहां से उनको जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे फॉरेस्टर माधो सिंह व अन्य वनकर्मी रातभर भेड़िये की तलाश करते रहे, पर उसका कुछ पता नहीं चला। गांव पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को रात में अकेले घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। उप प्रभागीय वन अधिकारी कमल कुमार ने बताया कि पैरों के निशान के अनुसार सियार प्रतीत हो रहा है। वहीं ग्रामीण भेड़िया होने का दावा कर रहे हैं।

वन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

लगातार हो रहे वन्यजीवों के हमलों के देखते हुए वन विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा गया है कि अफवाहों से बचें। वन्यजीव दिखाई दे तो विभाग को सूचना दें। रात में अकेले घर से बाहर न निकलें। जरूरी होने पर समूह में जाएं। टॉर्च और डंडा साथ रखें। घर के आसपास पर्याप्त रोशनी रखें। बुजुर्गों और बच्चों को घर से अकेले न निकलने दें। रात को खुले में न सोएं और घर का दरवाजा बंद रखें। वीरान जगह पर अकेले न जाएं। वन्यजीवों को उकसाने की कोशिश न करें।

मुरादाबाद में प्रेम विवाह का खौफनाक अंत

रात में आशिक संग ऐसे हाल में मिली पत्नी, पति ने रंगेहाथ पकड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद में युवक ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। नौ साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। पोस्टमार्टम में पति की लटकने से मौत और पत्नी की गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है। मुरादाबाद के मझोला के गोपालपुर बुद्धि विहार में पॉलिश कारीगर मुकेश कुमार ने अपनी पत्नी कविता की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद फंदे पर लटककर जान दे दी। दोनों ने करीब नौ साल पहले प्रेम विवाह किया था। परिजनों का कहना है कि मुकेश ने कविता को उसके प्रेमी के साथ पकड़ लिया था। जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। गोपालपुर बुद्धि विहार निवासी मुकेश (28) ने मोहल्ले में रहने वाली कविता (25) से प्रेम विवाह किया था। दंपती की तीन बेटियां हैं। मुकेश के भाई लोकेश ने बताया कि सोमवार की रात मुकेश ने कविता को मोहल्ले के एक युवक के साथ घर में पकड़ लिया था। मुकेश की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को पकड़ कर थाने ले आई थी। इस

मामले को लेकर पति–पत्नी में विवाद शुरू हो गया। रात में ही कविता बेटी काव्या और आराध्या को अपने मायके में छोड़ आई थी। मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे युवक की मां अपने बेटे और बहू से बात करने उनके घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। तब भतीजा अभय अपने मकान की छत से मुकेश के घर में पहुंचा। जहां मुकेश का शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका हुआ था। जबकि कविता का शव फर्श पर पड़ा था। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और फोरेंसिक टीम बुला ली। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या की है। परिवार के लोगों से पूछताछ में जानकारी मिली है कि मुकेश को शक था कि उसकी पत्नी के किसी युवक से संबंध हैं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पति की लटकने से मौत और पत्नी की गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद युवक ने फंदे से लटक कर दे दी जान

मुरादाबाद में वैवाहिक जीवन में तीसरे की एंट्री से नौ साल बाद प्रेम विवाह का दुखद अंत हो गया। मुकेश और उसके परिवार के लोगों के समझाने के बाद भी कविता ने मोहल्ले के युवक से मिलना जुलना बंद नहीं किया। जिस कारण पति–पत्नी के बीच विवाद बढ़ता गया। सोमवार की रात मुकेश ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। बुद्धि विहार से सटे गोपालपुर निवासी मुकेश और कविता ने नौ साल पहले प्रेम विवाह किया था। परिजनों के विरोध के बावजूद दोनों ने शादी कर ली थी। कुछ साल बीतने के बाद दोनों के परिवार मान गए। इसके बाद मुकेश भी कविता के मायके आने जाने लगा था। परिजनों का कहना कि दंपती की तीन बेटियां हैं। पुलिस के मुताबिक परिवार के लोगों से पूछताछ में पता चला कि करीब दो साल से कविता और मुकेश के बीच विवाद चल रहा था। इस विवाद की वजह मोहल्ले का एक युवक है। कविता उस युवक से अक्सर बातचीत करती थी। मुकेश इसका विरोध करता था। मुकेश के भाई लोकेश का कहना है कि युवक ने मुकेश के साथ मारपीट की थी। सोमवार की रात भी युवक उसके घर में मौजूद था। उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

'आल वी इमेजिन एज लाइट'

एंटरटेनमेंट डेस्क। भारतीय निर्देशक पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में छाई रही। इस फेस्टिवल में इसे दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार ग्रैंड प्रिक्स जूरी प्राइज से सम्मानित किया गया। अब यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड की रेस में शामिल हो गई है। यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड 2025 में फ्रांस का प्रतिनिधित्व करेगी। फ्रांस ने इसे शॉर्टलिस्ट किया है। बता दें कि भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए आधिकारिक एंट्री का एलान 27 सितंबर को होगा। कान में ग्रैंड प्रिक्स जूरी प्राइज अपने नाम करने वाली पायल भारत की पहली महिला निर्देशक बन गईं। उन्हें 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए यह अवॉर्ड मिला और अब एक बार फिर वह इसी फिल्म को लेकर चर्चा में आ गई हैं। कान के बाद सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर की रेस में भी यह फिल्म शामिल जो हो गई है। फ्रांस की तरफ से ऑस्कर में 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' सहित चार फिल्मों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। पायल कपाड़िया भारतीय फिल्म निर्देशक हैं। 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' उनकी पहली फीचर फिल्म है। इससे पहले उन्होंने शॉर्ट फिल्म और डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई हैं।

'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' की कहानी दो नर्सों (प्रभा और अनु) पर आधारित है, जो साथ में रहती हैं। प्रभा की अरेंज्ड मैरिज हुई और उसका पति विदेश में रहता है। दूसरी तरफ अनु की शादी नहीं हुई है, लेकिन उसे एक लड़के से प्यार है। प्रभा और अनु अपनी दो दोस्तों के साथ एक ट्रिप पर जाती हैं, जहां वो खुद को पहचानने की कोशिश करती हैं और फिर उन्हें आजादी के मायने समझ आते हैं।

विजेता बनने के बाद अब 'बिग बास 18' का हिस्सा होंगी सना मकबूल? बोली- क्यों नहीं...

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस के 18वें सीजन को लेकर फैंस में काफी उत्साह नजर आ रहा है। हालांकि, शो को लेकर जो बज बना हुआ है, वह केवल बॉलीवुड के भाईजान यानी कि सलमान खान के लिए है। शो को लेकर कई लोगों के नामों को लेकर कयास लगा रहे हैं। हालांकि, एक बार फिर 'बिग बॉस ओटीटी 3' की विनर सना मकबूल के नाम की चर्चा तेजी से हो रही है। अब सना मकबूल ने खुद इस खबर पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री से पूछा गया कि अगर उन्हें बिग बॉस 18 ऑफर किया जाता है तो वह इसमें शामिल होंगी या नहीं। इसी के बारे में बात करते हुए, सना ने खुलासा किया कि उनकी एक मेडिकल स्थिति है, जिसके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते हैं। सना ने यह भी खुलासा किया कि 'बिग बॉस ओटीटी 3' के निर्माता उनकी स्थिति सुनने के बाद उन्हें शो में लेने को लेकर कंफ्यूजन में थे। सना ने कहा, "मुझे नहीं पता कि कितने लोगों को इस बारे में पता है लेकिन मेरी एक मेडिकल स्थिति है। मेरे लिए, उस घर में रहने को डॉक्टर्स भी सही नहीं मानते हैं। डॉक्टर मेरे लिए बीबी ओटीटी करने के लिए सहमत हुए क्योंकि यह कम समय के लिए था, लेकिन शो में आना मेरे लिए ठीक नहीं था। निर्माता इस मेरे शो करने से सहमत नहीं थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं यह कर सकती हूं।"हालांकि, सना ने उस समय निर्माताओं से कहा, "आप इसे मुझ पर छोड़ दें। यह डेढ़ महीने का है और मैं जोखिम लेने को तैयार हूं।' यह घर में रहने के लिए एक अच्छा डिटॉक्स साबित हुआ। मैंने अपनी सेहत में सुधार किया।" इसके अलावा बिग बॉस के 18वें सीजन में प्रवेश करने के बारे में बात करते हुए सना कहती हैं, "अगर यह मुझे बेहतर बनाता है, तो क्यों नहीं।" वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री को हाल ही में रोहनप्रीत सिंह के साथ अपने नए गीत 'काला माल' के रिलीज होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए देखा गया था। इस दौरान उन्होंने अपने एल्बम को लेकर कई नए और दिलचस्प खुलासे किए थे।

जान्हवी कपूर की देवरा

एंटरटेनमेंट डेस्क। जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवरा को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में पहली बार जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की रोमांटिक जोड़ी को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। अभिनेत्री जोरों–शोरों से फिल्म का प्रमोशन करने में लगी हुई हैं। अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में जान्हवी ने तमिल भाषा में बात कर के अपने फैंस को काफी चौंका दिया है और प्रशंसकों का मानना है कि जान्हवी का यह अंदाज उन्हें श्रीदेवी की याद दिला रहा है।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने हाल ही में तमिल भाषा में अपने प्रशंसकों को प्रभावित किया। चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म 'देवरा' के प्रचार के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री के भाषण के कई वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं। जान्हवी ने इस कार्यक्रम में कहा कि चेन्नई उनके लिए खास है, खासकर इसलिए क्योंकि उनकी मां दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की इस राज्य से बहुत प्यारी यादें जुड़ी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप मुझे भी वही प्यार देंगे जो आपने मेरी मां को दिया था। आपका प्यार ही वह वजह है जिसकी वजह से हम आज यहां हैं, और मैं हमेशा आप सभी की आभारी रहूंगी।" जान्हवी ने यह भी कहा कि वह अपनी मां की तरह मेहनती बनना चाहती हैं और श्रीदेवी की तरह दर्शकों के दिलों में जगह बनाना चाहती हैं।

इसके अलावा जान्हवी ने जल्द ही एक तमिल फिल्म का हिस्सा बनने की अपनी इच्छा के बारे में भी बताया। एक यूजर ने जान्हवी का वीडियो साझा करते हुए लिखा, जान्हवी कपूर की माँ स्वर्गीय श्रीदेवी हमेशा अपने बच्चों को मुंबई में तमिल बोलने के लिए कहती थीं और जब भी वे गर्मी की छुट्टियों में चेन्नई आती थीं। इसलिए जान्हवी को तमिल पर अच्छी पकड़ है..."बता दें कि 'देवरा' का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। संगीत रचना अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा की गई है। यह फिल्म 27 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक्ट्रेस पलक सिधवानी बोली– मानसिक स्वास्थ पर असर पड़ रहा है, खबर अफवाह है

तारक मेहता एक्ट्रेस के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे मेकर्स!

टेलीविजन का पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा बीते लंबे समय से विवादों में है। बीते कुछ महीनों में शो के एक्टर्स ने प्रोड्यूसर असित मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए शो छोड़ दिया है। इस बीच खबर है कि शो में सोनू भिड़े का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस पलक सिधवानी के खिलाफ शो के मेकर्स लीगल एक्शन ले रहे हैं। हालांकि इन खबरों के बीच अब एक्ट्रेस ने कहा है कि इन सबसे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बता दें कि पलक सिधवानी पर आरोप है कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट के अहम रूल को तोड़ा है। उन्होंने थर्ड पार्टी एंडोर्समेंट किया है, जो उनके कॉन्ट्रैक्ट के खिलाफ है, इसके चलते तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के मेकर्स ने उन्हें लीगल नोटिस भेजा है और जल्द ही उनके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा। अब एक्ट्रेस पलक सिधवानी ने इन खबरों को अफवाह बताया है। एक्ट्रेस ने मनी कंट्रोल डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में कहा है, ये अफवाह है, मैंने कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं तोड़ा है। कल शो की शूटिंग है, मेरी सुबह 4 बजे की शिफ्ट है। साथ ही मुझे कोई कानूनी नोटिस नहीं मिला है।

आगे एक्ट्रेस ने कहा है, मैंने मेकर्स को इस बारे में बताया है, जो कल रात से फैल रही है। मैंने ये भी बताया है कि इससे मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, जबकि मैं शो के लिए बैक–टु–बैक शूटिंग कर रही हूं। मैंने उनसे जल्द–से–जल्द इस बात पर गौर करने और ये गलतफहमी दूर करने का अनुरोध किया है। मैं भी इस बारे में पता लगा रही हूं। ये बेहद तनावपूर्ण है, लेकिन सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। मैं इस बारे में बात करना चाहती हूं, लेकिन इससे पहले मैं मेकर्स और उनकी लीगल टीम से बात करूंगी। वो सोमवार को मुझे जवाब देंगे। बताते चलें कि पलक सिधवानी बीते 4 सालों से तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो का हिस्सा हैं। एक्ट्रेस शो में सोनू भिड़े का रोल प्ले कर रही हैं। उनसे पहले ये किरदार निधि भानुशाली प्ले कर रही थीं, जिन्हें पलक ने रिप्लेस किया है।

बुमराह का चौका, भारत ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

चेन्नई। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां बांग्लादेश की पहली पारी को सस्ते में समेटने के बाद दूसरी पारी में तीन विकेट पर 81 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 308 रन कर ली। बुमराह की शानदार गेंदबाजी का बांग्लादेश के

भारत पहली पारी 376
भारत दूसरी पारी 81/3

बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 50 रन देकर चार विकेट चटकाये। बुमराह को मोहम्मद सिराज (30 रन पर दो विकेट), आकाश दीप (19 रन पर दो विकेट) और रविंद्र जडेजा (19 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। भारत की पहली पारी में 376 रन के जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी महज 149 रन पर सिमट गयी। भारत ने पहली पारी 227 रन की बड़ी हासिल की। भारत की दूसरी पारी में भी हालांकि शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा (पांच) और यशस्वी जायसवाल (10) टीम के 28 रन तक पवेलियन लौट गये। रोहित तस्कीन अहमद की ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर बल्ला अड़ाकर गली क्षेत्र में जाकिर हसन को कैच थमा बैठे। जायसवाल को नाहिद राणा की गेंद पर ऑफ ड्राइव लगाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। गिल और विराट कोहली (17) ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। गिल ने इस दौरान कुछ शानदार चौके जड़े। राणा की गेंद पर कवर क्षेत्र में लगाया गया उनका चौका दर्शनीय था। कोहली हालांकि क्रीज पर समय बिताने के बाद मेहदी हसन मिराज की गेंद पर पगबाधा हो गये। बुमराह ने शानदार लय में चल रहे शदमन इस्लाम को अपनी चतुराई से आउट किया। उन्होंने राउंड द विकेट गेंदबाजी करने के बाद ओवर द विकेट गेंदबाजी की लेकिन गेंद की लाइन लेंथ में बदलाव किये बिना कोण को बदला जिससे बांग्लादेश का यह सलामी बल्लेबाज सामंजस्य नहीं बैठा पाया। उन्होंने इसके बाद मुशफिकुर रहीम, तस्कीन और हसन महमूद को चलता किया। मैच में शतकीय पारी खेलने वाले रविचंद्रन अश्विन कोई विकेट नहीं ले सके। बांग्लादेश को सबसे ज्यादा निराशा लिटन दास (42 गेंद में 22 रन) और शाकिब अल हसन (64 गेंद में 32 रन) से हुई। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट आक्रामक शॉट खेलकर गंवा दिये। दोनों ने छठे विकेट के लिए 94 गेंद में 51 रन की साझेदारी की। लिटन ने जडेजा (18 रन पर दो विकेट) के खिलाफ स्वीप शॉट खेलने का प्रयास किया और स्थानापन्न खिलाड़ी ध्रुव जुरेल द्वारा लपके गये। शाकिब ने इस वामहस्त गेंदबाज के खिलाफ रिवर्स स्वीप खेला लेकिन उन्हें किस्मत का साथ नहीं मिला। गेंद उनके बल्ले के निचले किनारे से टकराकर जूते पर टप्पा खाने के बाद हवा में उछली और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने दौड़कर कैच पकड़ लिया। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने दिन की शुरुआत सत्र में लगातार गेंदों पर जाकिर और मोमिनुल हक (शून्य) को बोल्ड कर पारी की शुरुआत में ही बांग्लादेश पर दबाव बना दिया। इससे पहले रविचंद्रन अश्विन (113 रन) के शतक और रविंद्र जडेजा (86 रन) के साथ उनकी 199 रन की साझेदारी के दम पर भारतीय टीम 376 रन पर आउट हुई। अश्विन ने 133 गेंद की पारी में 11 चौके

बांग्लादेश पहली पारी 149

और दो छक्के लगाये जबकि जडेजा ने 124 गेंद में 86 रन की पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 240 गेंद में 199 रन की आक्रामक साझेदारी की। दिन की शुरुआत छह विकेट पर 339 से करने वाले भारत ने केवल 37 रन जोड़कर अपने अंतिम चार विकेट गंवा दिए जिसमें सबसे पहले जडेजा का विकेट गिरा। बांग्लादेश का नयी गेंद लेने का फैसला कारगर रहा। तस्कीन की बाहर निकलती गेंद जडेजा के बल्ले का किनारा लेते हुए विकेटकीपर के हाथों में चली गयी। आकाश दीप (17) ने अश्विन का अच्छा साथ दिया लेकिन बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में कप्तान नजमुल हसन शंटो को कैच दे बैठे। अश्विन भी बीते दिन के स्कोर में 11 रन जोड़ कर इसी अंदाज में आउट हुये। यह दोनों बल्लेबाज तस्कीन की गेंद पर आउट हुए। हसन महमूद ने इसके बाद बुमराह को आउट कर भारतीय पारी को खत्म करने के साथ लगातार दूसरे टेस्ट में पारी में पांच विकेट पूरे किये।

300वां विकेट लेने का यह अच्छा मौका-जडेजा

चेन्नई। दिग्गज हरफनमौला रविंद्र जडेजा को उम्मीद है कि वह प्रतिष्ठित चेपॉक स्टेडियम में अपना 300वां विकेट लेने में सफल रहेंगे। जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले के दूसरे दिन के खेल के बाद कहा कि प्रतिद्वंद्वी टीम जब दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरेगी तो सभी भारतीय गेंदबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। जडेजा ने बांग्लादेश की पहली पारी में दो विकेट चटकाए जिससे इस प्रारूप में उनके विकेट की संख्या 296 हो गयी। उन्होंने शाकिब अल हसन और लिटन दास के अहम विकेट चटकाने से पहले बल्ले से 86 रनों की शानदार पारी खेली। जडेजा ने इस दौरान शतकवीर रविचंद्रन अश्विन (113) के साथ सातवें विकेट के लिए 199 रन जोड़े। जडेजा अपने शतक की तरफ मजबूती से बढ़ रहे थे लेकिन वह तस्कीन अहमद की गेंद पर आउट हो गये। जडेजा ने दिन के खेल के बाद आधिकारिक प्रसारक से कहा मैं आज आउट हो गया लेकिन यह खेल का हिस्सा है। अब हमें दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना होगा। मैं अपनी गेंदबाजी से बहुत खुश हूं। इस मैदान पर 300वां विकेट लेने का यह अच्छा मौका है। बांग्लादेश की पहली पारी को 149 रन पर समेटने के बाद भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 81 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 308 रन कर मैच पर पकड़ काफी मजबूत कर ली

है। भारत ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। जडेजा ने तीसरे दिन के लिए टीम की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा पहले हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी, हमें यहां से लगभग 120-150 का स्कोर बनाना होगा। हम इसके बाद गेंदबाजी के दौरान उन्हें जल्द से जल्द आउट करने का प्रयास करेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स फ्रैंचाइजी से लंबे समय से जुड़े जडेजा इस मैदान से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा यहां पिच अब भी बल्लेबाजी के लिए अच्छी है लेकिन इसमें तेज गेंदबाजों के लिए मदद है। कुछ गेंद स्विंग हो रही हैं। तेज गेंदबाज अगर सीम का अच्छा इस्तेमाल करें तो इससे बल्लेबाजों को परेशानी हो रही है।

भारतीय पुरुष टीम का दबदबा, महिलाओं को मिली हार

बुडापेस्ट। भारतीय पुरुष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के आठवें दौर में यहां ईरान के खिलाफ 3.5-0.5 से शानदार जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक पर अपना दावे को और मजबूत कर लिया लेकिन महिलाओं को पोलैंड के हाथों 1.5-2.5 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम की यह प्रतियोगिता में पहली हार है। ओपन वर्ग में लगतार आठवीं जीत से पुरुष टीम ने कुल 16 अंकों के साथ एकल बढ़त बरकरार रखी है। मेजबान हंगरी, उज्बेकिस्तान तालिका में उससे दो अंक पीछे हैं। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अर्जुन एरिगैसी ने काले मोहरों से आक्रामक शुरुआत कर बर्दिया दानेश्वर को पराजित किया। आगामी विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश ने शुरुआती टाइम कंट्रोल में ही ईरान के परम मघसूदलू को हरा दिया। आर प्रज्ञानानंद ने अमीन तबाताबेई से ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने इदानी पूया को मात देकर टीम की जीत में अंकों का इजाफा किया। अपने आठ मुकाबलों में व्यक्तिगत 7.5 अंकों के साथ अर्जुन की क्लासिकल लाइव रेटिंग 2792.7 पहुंच गई तो वहीं गुकेश के भी 2784.6 रेटिंग अंक हो चुके हैं। ऐसा पहली बार है कि विश्व रैंकिंग में शीर्ष पांच में दो भारतीय खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग में भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा जब ग्रैंडमास्टर डी हरिका, आर वैशाली क्रमशः पोलैंड की एलिना

काशलिंस्काया और मोनिका सोको से अपनी अपनी बाजियां हार गयीं। दिव्या देशमुख ने एलेक्जेंड्रा माल्टसेव्स्काया को हराकर मुकाबले में भारत की वापसी कराई। वंतिका अग्रवाल बेहतर स्थिति में होने के बावजूद एलिक्जा स्लिविका के खिलाफ जीत दर्ज करने में नाकाम रही। यह मुकाबला ड्रा पर छूटा जिससे टीम को टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने नाम 14 अंक है। टीम पोलैंड और कजाखस्तान के साथ तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। नौवें दौर में भारतीय पुरुष उज्बेकिस्तान से और महिला टीम अमेरिका से भिड़ेंगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

विद्यालयी कराटे में लखनऊ बना ओवरऑल चैंपियन

लखनऊ। गुरुद्वारा नाका हिंडोला स्थित खालसा इंटर कॉलेज आयोजित मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में 37 स्वर्ण पदक जीतते हुए मेजबान लखनऊ जिला ओवरऑल चैंपियन रहा। वहीं रायबरेली 3 स्वर्ण के साथ दूसरे एवं उन्नाव 2 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। सभी विजेता प्रतिभागियों को खालसा इंटर कालेज प्रबंधक कमेटी की अध्यक्षा श्रीमती सुखवीन कौर, कॉलेज के चेयरमैन चरनप्रीत सिंह बग्गा, जिला खेल समिति के सचिव वेदप्रकाश यादव एवं कॉलेज के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के समाप

समारोह में मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधक राजेंद्र सिंह बग्गा ने पदक विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने पदक से वंचित रहे खिलाड़ियों को निराश न होकर प्रयास को जारी रखने को कहा और राजा ब्रुस एवम स्पाइडर की कहानी का उदाहरण दिया। कॉलेज प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह ने भी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए सभी अतिथियों व अभिभावकों का आभार जताया। इस अवसर पर कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के सचिव एवं खालसा इंटर कॉलेज के खेल शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता जसपाल सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता के स्वर्ण विजेता आगामी उत्तर प्रदेश राज्य माध्यमिक विद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में बालक व बालिका के अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग में अलग-अलग भार वर्गों में लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

नेशनल क्रिकेट क्लब की जीत

लखनऊ। वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को नेशनल क्रिकेट क्लब ने एनएचबी को 21 रन से और लवकुश नगर स्ट्राइकर्स ने बीएलटीसी को 5 विकेट से हराया। एलडीए स्टेडियम, अलीगंज पर नेशनल क्रिकेट क्लब (एनसीसी) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट पर 127 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच अंकित ने आतिशी अर्धशतक जड़ते हुए मात्र 12 गेंदों पर 8 छक्के से 51 रन का योगदान किया। जवाब में एनएचबी निर्धारित ओवर में 4 विकेट पर 106 रन ही बना सका। दीपक वकरन ने 27-27 रन का योगदान किया। बेस्ट कैच का पुरस्कार एनएचबी के जयकिशन को मिला।